ज्ञानामृत

धर्म करते हुए मर जाना अच्छा है पर पाप करते हुए विजय प्राप्त करना अच्छा नहीं।

महाभारत

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, सोमवार, 30 जून 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 196 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान

"क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंचतत्व से बना शरीरा"

रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एक जल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लिये जल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है, जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है, जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया। यह अभियान जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरुकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल-संरचनाओं पर काम हुआ है। अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है। इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरू किया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा की एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा।

हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव कर पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है। प्रदेशवासी मिशन लाइफ के अनुसार प्रकृति के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पहली बार री-यूज वाटर पोर्टल निर्मित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पुनः उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह प्रदेश जल प्रबंधन के लिए तीन सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति बनाकर काम कर रहा है।

यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की धरती प्रकृति की विपुल सम्पदा से समृद्ध है। यह मां नर्मदा, शिप्रा मईया, ताप्ती और बेतवा सहित लगभग 267 नदियों का मायका है। प्रदेश में पहली बार नदियों को निर्मल और अविरल बनाने के लिए 145 से अधिक नदियों के उद्गम को चिन्हित किया गया और साफ-सफाई के साथ पौधरोपण की शुरुआत हुई है। नदियों के तट पर पौधरोपण की यह पहलनदियों को उनके मायके में हरि चुनरी ओढ़ाने का प्रयास है।

प्रदेश में पहली बार जल सरंक्षण के साथ जल समृद्धि की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की पहल की गई। इसके तहत राजाभोज ने बसाये भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर बड़े बाग की बावड़ी को सहेजने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस अभियान के अंतर्गत हमने 200 वर्ष पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा बनाई गई होलकर कालीन बावड़ी को जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया है। इस बावड़ी का लोकर्पण करते हुए मुझे यह महसूस हुआ कि हम माता अहिल्या के लोक कल्याण के युग में पहुंच गये हैं। बावड़ियां हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं, इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिये प्रदेश भर में दो हजार से अधिक बावड़ियों को पुनर्जीवित करते हुए बावड़ी उत्सव मनाया गया।

प्रधानमंत्री जी ने हमारी युवा शक्ति को जल सैनिक बनाने का आह्वान किया था। इस अभियान में, मध्यप्रदेश में पहली बार 2 लाख 30 हजार जल दूत बनाये गये। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी बचाने के लिए यह अमृत मित्र भविष्य में जल सुरक्षा के अग्रदूत बनेंगे। प्रदेश में पहली बार डेढ़ लाख से अधिक कृषकों ने सभी विकासखंडों में 812 पानी चौपाल का आयोजन किया। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार-विमर्श किया।

प्रदेश में पहली बार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने के लिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। खेत तालाब के अलावा अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज बनाने में भी सिपरी सॉफ्टवेयर, एआई और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से निर्धारित लक्ष्य को समय रहते प्राप्त करने में आसानी हुई है और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिए डेशबोर्ड डाटा को एआई के माध्यम के उपयोग से अभियान की प्रगति में सुधार और गति दी गई।

इस अभियान में प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चला, अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवन प्राप्त हुआ। यह सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया गया है वह हमारे किसान भाइयों के लिए पारस पत्थर का काम करेगा। सूखे खेत हरे-भरे होंगे, सुनहरी फसलें लहलहायेंगी। हमारा किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश की धरती समृद्ध होगी।

वर्षा के जल को संग्रहित करने और पुराने जल स्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए चलाए गए अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार रहा जनभागीदारी। सरकार, शासन-प्रशासन, समाजसेवी और प्रदेश के आमजन ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद अब पौधरोपण का व्यापक अभियान चलाया जायेगा।

मुझे खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन के साथ जनता के लिए, जनता का अभियान बन गया है। इस अभियान ने जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है। प्रदेश ने यह प्रमाणित किया है कि यदि सरकार और जनता मिलकर कार्य करेंतो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। किसान, महिला, युवा और विद्यार्थियों ने जल संरक्षण को जीवन का मंत्र बना लिया है। इससे समाज में जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित हुआ है। इस अभियान ने हम सभी के मन को एक नये संकल्प और ऊर्जा से भर दिया है। यह अभियान केवल जल संरक्षण का कार्य नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की सुरक्षा का वह सूत्र है, जिससे प्रदेश की समृद्धि जुड़ी है।

अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च।

महाभारत के शांति पर्व का यह श्लोक जल के महत्व और जीवन में इसकी भूमिका को दर्शाता है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से पानी की बूंद-बूंद बचाने और जल समृद्ध राज्य बनाने का आह्वान करता हूं।

आईये, हम सब मिलकर पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लें, जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य को आगे बढ़ायें। मुझे उम्मीद है कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

न्यूज इन शॉर्ट

जनगणना: पहले चरण का आगाज अप्रैल 2026 से

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने आगामी जनगणना 2026 के पहले चरण की तारीख तय कर दी है। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन और हाउसिंग जनगणना 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। दो चरणों में जनगणना होगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण काम जिसे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) भी कहा जाता है। इसमें हर घर की स्थिति, सुविधाएं और संसाधनों की जानकारी ली जाती है। वहीं दूसरे चरण में जनसंख्या गणना का है, यह चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा। इसमें हर व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक जानकारी ली जाएगी।

पुरी रथयात्रा के दौरान भगदड़ में 3 की मौत, 100 से ज्यादा घायल

पुरी, एजेंसी। ओडिशा के पुरी में चल रही जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान रविवार अल सुबह गुंडिचा मंदिर के करीब भगदड़ मच गई। इसमें तीन लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोग घायल होने की जानकारी सामने आई। मरने वालों में दो महिलाएं हैं। हादसा सुबह 4:30 बजे हुए जब भगवान के रथ को खींचा जा रहा था। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जमा हो गए। रथ तक पहुंचने में कुछ श्रद्धालु नीचे गिर गए और भगदड़ मच गई। इस दौरान तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा होने के कारण पुलिस भी उन्हें कंट्रोल नहीं कर पाई। हादसे में घायल कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

ईरान-इजराइल युद्ध से भारत में ड्राईफ्रूट व सेंधा नमक हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजराइल युद्ध का असर अब भारत के थोक बाजारों पर दिख रहा है। सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। बीते 15 दिनों में इन उत्पादों के दाम 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। थोक व्यापारियों के मुताबिक सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स मुख्य रूप से ईरान, इराक और खाड़ी देशों से भारत में आयात होता है। ईरान-इजराइल युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों से माल की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे बाजार में उपलब्धता घट गई और कीमतें बढ़ गईं हैं। व्यापारियों की मानें तो काजू, बादाम, पिस्ता, खजूर, केसर जैसे उत्पादों की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, सेंधा नमक भी महंगा हो गया है।

सूरत में इन्टरैक्टिव सेशन: 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव, 11 हजार से अधिक रोजगार का सृजन

अहमदाबाद में स्थापित होगा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम : सीएम मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा प्रदेश में निवेश प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में आरंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश में निवेश आकर्षित करने की पहल सूरत में रंग लाई जहां निवेशकों से 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए हैं। इन प्रस्तावों के फलीभूत होने पर 11,250 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। औद्योगिक तथा व्यापार गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रक्रियाओं में सरलता, सुगमता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय सीमा का पालन महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार इन सभी बिंदुओं के साथ प्रदेश में पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाते हुए प्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई सहित लघु और कुटीर उद्योगों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत ऐतिहासिक रूप से देश-दुनिया में उद्योग और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा यह इन्टरैक्टिव सेशन आयोजित किया गया है।

भोपाल की सड़कों पर दिन में नागरिक रात में मिलती है टाइगर की उपस्थिति

सीएम ने कहा- हमारी कृषि विकास दर 39% है। यह दर्शाता है कि हम आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से अग्रसर हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी हमारा राज्य अनूठा है। यहां की जैव विविधता, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक विरासत को देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है। चीता परियोजना हो या बाघ संरक्षण, मध्यप्रदेश आज वन्य जीवन के क्षेत्र में भी अग्रणी है। भोपाल की सड़कों पर जहां दिन में नागरिक चलते हैं, रात में टाइगर की उपस्थिति तक दर्ज की गई है, यह हमारी जैविक समृद्धि का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से की वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से विभिन्न उद्योग घरानों के उद्योगपतियों ने भी वन-टू-वन चर्चा कर मध्यप्रदेश के विभिन्न हिस्सों में निवेश करने और उद्योग स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने निवेशकों का मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिए स्वागत किया और कहा कि सरकार उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। सूरत में आयोजित संवाद सत्र में उद्योग जगत के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी), साउथ गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स और मेटाक्सिल के सदस्यों ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह आज

पीएम मोदी होंगे वर्चुअली शामिल, सीएम मोहन देंगे करोड़ों की सौगात

मध्यप्रदेश में जल संरक्षण को समर्पित जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन 30 जून को खंडवा में होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़कर संबोधित करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1518 करोड़ रुपये से अधिक की जल परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। तीन माह चले इस अभियान के तहत मनरेगा से 578 करोड़ की लागत से 57,207 जल संरक्षण कार्य, और वॉटरशेड विकास योजनाओं में 888 कार्य पूरे किए गए। साथ ही वॉटरशेड प्रबंधन सॉफ्टवेयर का भी लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री चार सिंचाई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे, जिनसे 7260 किसान लाभावित होंगे। वहीं, 563 करोड़ की जावर उद्वहन योजना से 21,666 किसानों की 26 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। अमृत 2.0 योजना के तहत 50 करोड़ की लागत से नवीनीकृत 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा।

'मन की बात': बालाघाट की सुमा दीदी की तारीफ

जज़्बा हो तो हमारी माताएं-बहनें बिज़नेस वुमन बन सकती हैं: मोदी

विजय मत, भोपाल

'जज़्बा हो तो हमारी माताएं-बहनें भी बिज़नेस वुमन बन सकती हैं', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में ये बात कहते हुए मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की एक महिला उद्यमी, सुमा उईके का विशेष रूप से उल्लेख किया। पीएम मोदी ने बताया कि कटंगी के ग्राम भजियापार की रहने वाली सुमा उईके ने कैसे अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और आजीविका मिशन की मदद से खुद को न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' में नाम का ज़िक्र होने के बाद से सुमा उईके के साथ साथ पूरे बालाघाट में उत्साह का माहौल है। बता दें कि सुमा उईके कभी सिर्फ अपने घर-गृहस्थी के कामों तक सीमित थीं, लेकिन आजीविका मिशन के कर्मियों से मिले मार्गदर्शन से उन्हें स्व-सहायता समूह का महत्व पता चला। इसके बाद उन्होंने आस-पास की महिलाओं को संगठित कर 'आदिवासी आजीविका विकास स्व-सहायता समूह' का गठन किया, जिसकी वह अध्यक्ष बनीं। समूह के माध्यम से उन्होंने आर-सेटी से ऑर्गेनिक मशरूम उत्पादन और सीटीसी से पशुपालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष 2021 में उन्होंने 2000 रुपये की ऋण सहायता से मशरूम उत्पादन की शुरुआत की। हालांकि लॉकडाउन के कारण यह कार्य बाधित हुआ, लेकिन सुमा दीदी ने हार नहीं मानी। वर्ष 2022 में उन्हें जनपद पंचायत कटंगी परिसर में दीदी केंटीन संचालन का अवसर मिला, जिससे उनकी मासिक आय लगभग 8000 रुपये होने लगी।

तेलंगाना दौरे में गृहमंत्री शाह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल जवानों के बलिदान का अपमान

तेलंगाना, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना दौरे के दौरान कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर करारा हमला बोला है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुश्मनों को करारा जवाब दिया, तब भी राहुल गांधी सवाल उठाते रहे। यह हमारे जवानों के बलिदान का अपमान है।

उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम पर सवाल उठाना देश की सुरक्षा नीति को कमजोर करने जैसा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे।

यूजीसी का अल्टीमेटम- एक माह में दुरुस्त करें सभी नियम

एएमयू समेत 89 संस्थानों को किया डिफॉल्टर घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने एंटी-रैगिंग नियमों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाते हुए देशभर के 89 संस्थानों को डिफॉल्टर घोषित किया है। इनमें आईआईटी-बॉम्बे, आईआईटी-खड़गपुर, आईआईएम रोहतक, एएमयू जैसे देश के प्रमुख संस्थान शामिल हैं। यूजीसी के अनुसार, इन संस्थानों ने छात्रों और संस्थानों की

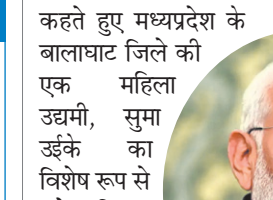

अनिवार्य एंटी-रैगिंग घोषणाएं अब तक सबमिट नहीं की हैं, जो कि रैगिंग विरोधी विनियम, 2009 के अंतर्गत जरूरी है। यूजीसी ने इन संस्थानों को चेतावनी दी है कि यदि 30 दिनों के भीतर नियमों का पालन नहीं किया गया, तो यूजीसी फंडिंग, रिसर्च प्रोजेक्ट्स और मान्यता/संस्थागत संबद्धता तक रद्द की जा सकती है।

साइलेंट अटैक से गई एक और जान: छक्का मारते ही बल्लेबाज को आया हार्ट अटैक, मौत

फिरोजपुर, एजेंसी

पंजाब के फिरोजपुर में क्रिकेट मैच के दौरान एक बल्लेबाज को हार्ट अटैक आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक बॉल पर सिक्स भी लगाया। लेकिन इसके बाद वह जमीन पर बैठ गया। जब तक साथी खिलाड़ी कुछ समझ पाते, तब तक युवक जमीन में ही लेट गया। हालांकि, इसके बाद फील्ड में मौजूद अन्य साथी खिलाड़ी उसके पास पहुंचे और सीपीआर दी। लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गई। इस घटना से अन्य खिलाड़ियों में सनसनी फैल गई। पूरा मामला फिरोजपुर के गुरुहर सहाये का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह क्रिकेट खेलते समय छक्का मारने के बाद खिलाड़ी हरजीत सिंह को हार्ट अटैक आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। हरजीत सिंह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था। घटना डीएवी स्कूल के ग्राउंड की है। इस घटना का वीडियो साथ खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों ने कैमरे में कैद कर लिया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि हरजीत सफेद और ब्लैक रंग की टीशर्ट पहने हुआ है। बल्लेबाजी के दौरान उसने एक लंबा सिक्स लगाया और जमीन में बैठ गया। इसके बाद सीने में दर्द के कारण लेट गया। साथी खिलाड़ियों द्वारा उसे सीपीआर दिया गया। लेकिन बचाया नहीं जा सका।

विजय मत एंकर 1 जुलाई से होने जा रहे बड़े बदलाव, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

कल से बदल रहे रेल किराये से लेकर क्रैडिट-पैन कार्ड के नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में 1 जुलाई 2025 से कई महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिनका सीधा असर आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी और खर्चों पर पड़ेगा। इनमें पैन कार्ड से लेकर बैंकिंग, रेलवे टिकट बुकिंग, गैस सिलेंडर की कीमत और क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम शामिल हैं। इन नए प्रावधानों के लागू होते ही आपकी जेब पर बोझ बढ़ सकता है या कुछ मामलों में राहत भी मिल सकती है। रेलवे मंत्रालय 1 जुलाई 2025 से मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी और नॉन-एसी क्लास का किराया बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, नॉन-एसी (स्लीपर, सेकंड सीटिंग आदि) श्रेणियों में 1 पैसा और सभी एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से किराया बढ़ाया जा सकता है। 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए सेकंड क्लास ट्रेन टिकट की कीमतों और एमएसटी में कोई बदलाव नहीं होगा।

तत्काल टिकट बुकिंग पर सख्ती

अब तत्काल टिकट सिर्फ उन्हीं यात्रियों को मिलेगा जिनका आईआरसीटीसी अकाउंट आधार से लिंक है। जुलाई से ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण जरूरी होगा, जो आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर आएगा। रेलवे एजेंट तत्काल बुकिंग शुरू होने के पहले 30 मिनट तक टिकट नहीं बुक कर पाएंगे।

पैन कार्ड नियमों में बदलाव

आधार कार्ड अनिवार्य- अब 1 जुलाई से नए पैन कार्ड के लिए आवेदन करने पर आधार कार्ड देना अनिवार्य होगा। यह नियम सीबीडीटी द्वारा लागू किया गया है। यदि आपके पास पहले से पैन और आधार दोनों हैं, तो इन्हें लिंक करना भी जरूरी है। इसके लिए 31 दिसंबर, 2025 तक का समय दिया गया है।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

पोषण से परिवर्तन की ओर - बच्चों के स्वास्थ्य सुधार राज्य स्तरीय कार्यशाला आज

भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुनिर्मला भूरिया की अध्यक्षता में सुपोषित मध्यप्रदेश की दिशा में बढ़ते कदम को मजबूत करने एवं प्रभावी हस्तक्षेपों की सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से "पोषण से परिवर्तन की ओर" 30 जून 2025 को होटल लेक व्यू रेजिडेंसी, श्यामलाहिल्स, भोपाल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास श्रीमती रश्मि अरुण शमी तथा आयुक्त, महिला एवं बाल विकास श्रीमती सूफिया फारुकीवली द्वारा प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यशाला में प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारियों के साथ विषय-विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-3 (2005-2006) से सर्वे- 5 (वर्ष 2020-2021) के दौरान बच्चों के पोषण स्तर में व्यापक रूप से सुधारपरिलक्षित हुआ है। इन आंकड़ों के अनुसार कम वजन में लगभग 45%, दुबलापन में 46% एवं ठिगनापन में 29% तक का सुधार प्रदर्शित हो रहा है। कार्यशाला में इन्ही आंकड़ों के विश्लेषण एवं सुपोषित मध्यप्रदेश की आगामी कार्ययोजना के बारे में चर्चा की जाएगी। स्थानीय स्तर पर किए जा रहे विशेष प्रयासों का होगा प्रस्तुतीकरण बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए जिलों द्वारा स्थानीय स्तर पर नवाचार किए जा रहे हैं। कार्यशाला के दौरान इन नवाचारों, विशेष प्रयासों का प्रस्तुतीकरण भी किया जाएगा। झाबुआ से कुपोषित बच्चों के पोषण प्रबंधन के लिये "मोटीआई", देवास जिले के मिशन किलकारी अंतर्गत स्पेशल हृदृष्ट जैसे प्रयासों को प्रस्तुत किया जाएगा।

गौशालाओं में गायों की लगेगी ई-अटेंडेंस, कान में लगाई जाएगी चिप, न डेटा मिटेगा न बदलेगा, फर्जीवाड़े पर भी लग सकेगी लगाम

भोपाल। मध्य प्रदेश में पशुपालन विभाग नई तकनीक लागू करने जा रहा है। इसके तहत गौशालाओं में गायों की हाजिरी डिजिटल तरीके से लगेगी। ई अटेंडेंस के जरिए गौशाला की चार लाख गायों की रोज निगरानी होगी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए यह पहल की जा रही है। एमपी पशुपालन विभाग ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत गौ माता के कान में चिप लगाई जाएगी। गौशाला और गो संवर्धन का पूरा डेटा ऑटोमेटिक ऑनलाइन होगा। माइक्रो-चिप से हर गाय का स्थायी रिकॉर्ड बन जाएगा। जिसके बाद न तो इसको बदला जा सकेगा और न ही हटाया जा सकेगा। पशुपालन विभाग की पहल का उद्देश्य फर्जीवाड़ा रोकना है। अभी तक गायों के कान में पीले टैग लगाए जाते थे, जिन्हें आसानी से हटाया जा सकता था। कई बार गोशालाएं गायों की संख्या बढ़ाकर अनुदान लेती थीं। यहां तक कि कुछ दुधारू गायों को मृत दिखाकर बीमा राशि भी वसूल ली जाती थी। इस तकनीक के लागू होने के बाद यह साफ हो जाएगा कि कौन-सी गाय कब आई, कितनी बार गर्भवती हुई और वर्तमान में उसकी स्थिति क्या है। इससे फर्जीवाड़े पर लगाम लगेगी।

प्रमोशन में आरक्षण को लेकर अधिकारी-कर्मचारियों ने अधिवेशन में लिया बड़ा फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण को लेकर सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों ने अधिवेशन बुलाया। जिसमें बड़ा फैसला लिया गया है। प्रदेश में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। कर्मचारीयं ने कहा कि पदोन्नति आरक्षण के नियम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। कल हाईकोर्ट से मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग की जाएगी। रविवार को कर्मचारी संगठन ने आरक्षण समाप्त करने को लेकर नर्मदा भवन में बड़ी बैठक की। सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों ने अधिवेशन बुलाया। जिसमें सपाक्स संगठन के साथ-साथ कई और कर्मचारी संगठन भी शामिल हुए। हम हैं माई के लाल के नारे के तहत बैठक शुरू हुई। इस बैठक में आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन और सरकार से प्रमोशन के मुद्दे पर बातचीत करने की रणनीति बनाई गई है। वहीं अधिवेशन में बड़ा फैसला लिया गया है। सपाक्स जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी। कर्मचारियों का कहना है कि प्रमोशन आरक्षण के नियम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। कल हाईकोर्ट से मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग करेंगे। अब तक तीन याचिका लगाई जा चुकी है, हमें उम्मीद है अगले सप्ताह तक हमारी सुनवाई होगी।

'मन की बात' कार्यक्रम में बालाघाट की बहन का शामिल होना हमारे लिए गर्व की बात

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 1 और 2 जुलाई को संपन्न होगी: शर्मा

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को मध्य विधानसभा के अरेरा मंडल के बूथ क्रमांक 159 स्थित कम्युनिटी हॉल में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कम्युनिटी हॉल परिसर में पौधारोपण किया। मीडिया से चर्चा करते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यक्रम में बालाघाट जिले के कटंगी की बहन सुमा उइके के आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रयासों की विस्तार से चर्चा की है, जो प्रदेश की सभी बहनों के लिए प्रेरणादायक है, साथ ही हम सभी के लिए गर्व की बात है।

सार्थक हो रहे प्रधानमंत्री जी के प्रयास

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हमने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया है, जिसकी चर्चा प्रधानमंत्री जी ने की है। प्रधानमंत्री के प्रयासों के चलते अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज सारी दुनिया में मनाया जाता है और इतना लोकप्रिय हो चुका है, जिसकी हम लोगों ने कल्पना भी नहीं की थी। योग आज देश और दुनिया में हर वर्ग के लोगों के लिए निरोग रहने का माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने कार्यक्रम में बताया कि किस तरह भारत का जल-जीवन मिशन दूषित पानी से पैदा होने वाली बीमारियों पर रोक लगाने में कामयाब हो रहा है। अब तो विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार कर रहा है।

बालाघाट की बहन बनी महिलाओं के लिए प्रेरणा... *भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यक्रम में बालाघाट जिले की कटंगी की बहन सुमा उइके की चर्चा कर बताया कि किस तरह यह बहन स्व-सहायता समूह के माध्यम से मशरूम उत्पादन और पशुपालन के काम करके आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है। यह प्रधानमंत्री जी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के संकल्प की सफलता का उदाहरण है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जी ने भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला जी से हुई बातचीत को लेकर भी चर्चा की। साथ ही खेलों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री जी ने बताया कि किस तरह बोडोलैंड के युवाओं में परिवर्तन आया है और अब ये युवा फुटबाल के खेल में लगातार तरक्की कर रहे हैं।*

प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 1 और 2 जुलाई को

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि यह वर्ष भारतीय जनता पार्टी के लिए संगठन चुनाव का वर्ष रहा है। बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के चुनाव की प्रक्रिया जारी है। मध्यप्रदेश में हमने सभी 65 हजार से अधिक बूथों का चुनाव कराकर इतिहास रचा है।

आपातकाल के बारे में तत्कालीन नेताओं की प्रतिक्रिया सुन हुआ रोमांच

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि 25 जून को हमने संविधान हत्या दिवस मनाया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाकर संविधान को कुचल दिया था। प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यक्रम में उस समय विपक्ष के नेता स्वर्गीय मोरार जी देसाई, बाबू जगजीवन राम, श्रद्धेय अटल जी की प्रतिक्रियाओं को देशवासियों के सामने प्रस्तुत किया।

'मन की बात' देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम प्रेरणा, दिशा और विश्वास का स्रोत: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि 'मन की बात' सिर्फ संवाद नहीं, यह देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम है – प्रेरणा, दिशा और विश्वास का स्रोत है। प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक होता है। 'मन की बात' की 123वीं कड़ी ने जन-मन में नई ऊर्जा का संचार किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धियों, योग और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों के साथ-साथ आपातकाल की विभीषिका को भी याद किया। आपातकाल का दौर लोकतंत्र के लिए एक काली रात था, जिसे देशवासियों ने अपने साहस और दृढ़ संकल्प से समाप्त किया। यह हमारी लोकतांत्रिक चेतना की अमिट मिसाल है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा के बूथ क्रमांक 111 स्थित निवास में प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम "मन की बात" का श्रवण किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश के बालाघाट की बेटी सुसूमा उइके, जिन्होंने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मशरूम उत्पादन, पशुपालन और 'दीदी केंटीन' जैसे उद्यमों से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की। प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में सुसूमा उइके का उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। साथ ही यह अन्य महिलाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भारत का 'ट्रेकोमा मुक्त' घोषित होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत का परिणाम है वरन् यह 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'जल जीवन मिशन' की सामूहिक सफलता का भी परिचायक है। यह जनसहभागिता आधारित स्वास्थ्य सुधार मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

भोपाल, ग्वालियर समेत कई जिलों में बारिश

11 जिलों में हेवी रेन का अलर्ट, साढ़े 4 इंच गिर सकता है पानी, इंदौर-उज्जैन में यलो अलर्ट

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है। रविवार को भोपाल, नर्मदापुरम, रतलाम, धार और रायसेन, विदिशा और खंडवा में में सुबह से रुक-रुककर तेज और रिमझिम बारिश जारी है। मौसम विभाग ने रविवार को ग्वालियर, चंबल, रीवा और शहडोल संभाग के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे के दौरान साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। 1 जुलाई से स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनेगा। इससे प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में अति भारी या भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश होगी।

विदिशा में बारिश, तापमान में आई गिरावट

विदिशा में दोपहर से रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी है। इससे मौसम सुहाना हो गया, वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

भोपाल में सुबह 5 बजे से बारिश जारी

भोपाल में सुबह 5 बजे से रिमझिम शुरू हुई। दोपहर होते-होते कई इलाकों में तेज पानी गिरने लगा। लगातार बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है।

भोपाल, इंदौर समेत 19 जिलों में बारिश

सतना के चित्रकूट में तेज बारिश हुई। वहीं, सीधी में सवा इंच से ज्यादा पानी गिर गया। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव में आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, दतिया, गुना, ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, रतलाम, शिवपुरी, उज्जैन, छतरपुर के खजुराहो, नौगांव, बालाघाट, बुरहानपुर, सीहोर, बड़वानी, डिंडौरी, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास समेत कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

1-2 जुलाई को अति भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने 1 जुलाई को 6 जिलों में अति भारी और 26 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। 2 जुलाई को 5 जिलों में अति भारी और 25 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

पश्चिमी हिस्से में लो प्रेशर एरिया... *सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ में एक लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) एक्टिव हो गया है। जिसका असर अगले 1-2 दिन में एमपी में भी देखने को मिलेगा। वहीं, प्रदेश में अभी टर्फ की एक्टिविटी बनी हुई है। यह टर्फ जिन हिस्सों से गुजर रही है, वहां भारी बारिश का अलर्ट है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी सक्रिय है। इन सभी वजहों से मध्यप्रदेश तरबतर हो रहा है।*

'युवा संगम मेगा जॉब फेयर' का भोपाल में भव्य आयोजन, 600 से अधिक युवाओं ने लिया भाग

- 35+ कंपनियाँ, हेल्थ कैंप और काउंसलिंग सत्र के साथ युवाओं को मिला सुनहरा अवसर

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल के खजूरीकलां रोड स्थित विद्यापीठ ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन्स, एसओएम, बालग्राम परिसर में आज युवा संगम मेगा जॉब फेयर का भव्य आयोजन हुआ। यह रोजगार मेले का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय भोपाल एवं CII-Young Indians (YI) Bhopal Chapter के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की विशिष्ट उपस्थिति में मध्यप्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर मौजूद रहीं। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेले राज्य सरकार की युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त प्रयास हैं, जो न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। इस मेगा जॉब फेयर में 35 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियाँ और 3 स्वरोजगार संस्थाएं शामिल हुईं। 600 से अधिक युवाओं ने इसमें भागीदारी की, जिनमें से 50 से अधिक को मौके पर ही नियुक्ति पत्र (ऑफर लेटर) वितरित किए गए। इसके साथ ही तीन कंपनियों के साथ एमओयू भी साइन किए गए। स्वास्थ्य जागरूकता को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों और आगंतुकों ने स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा का लाभ उठाया।

'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' में हुए शामिल

वर्ष 2047 में पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा भारत: इन्दर सिंह परमार

विजय मत, भोपाल

भारत के हर राज्य, हर क्षेत्र में, अपनी मातृभाषा में शिक्षा दी जाती थी और भारत की अपनी समृद्ध शिक्षा पद्धति थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 ने पुनः भारत केंद्रित शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के पुनर्निर्माण का सौभाग्यशाली अवसर दिया है। हमें भारत के दर्शन को समझना होगा और गर्व के भाव के साथ भारतीय दृष्टि से हर क्षेत्र, हर विषय में विद्यमान परम्परागत भारतीय ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर स्थापित करना होगा। देश की गौरवशाली उपलब्धियों पर जनमानस को गर्व करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने रविवार को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में, नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति भोपाल के तत्वावधान में ÷प्रतिभा सम्मान समारोह-2025÷ में सहभागिता कर कही। मंत्री परमार ने कहा कि भारत, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विश्वमंच पर सिरमौर था, विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। विश्व भर के लोग हमारे यहां शिक्षा एवं स्वास्थ्य लाभ लेने आते थे। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों में मातृभूमि के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता का भाव जीवन पर्यंत रहना चाहिए। परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 में भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। भारत वर्ष 2047 तक, खाद्यान्न एवं ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बल्कि विश्व के अन्य देशों की पूर्ति करने में सामर्थ्यवान बनेगा।

शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दिशा-निर्देश में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल संचालित नहीं हैं वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा। इन कक्षाओं में पुनः प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी।

इलाज में लापरवाही, हटाने पड़ रहे प्राइवेट पार्ट

पेनाइल कैंसर पर भोपाल एम्स का रिसर्च स्पेन में प्रस्तुत

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल स्थित एम्स के चिकित्सक लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर के रिसर्च कर रहे हैं। अब पेनाइल कैंसर पर बड़ा रिसर्च सामने आया है। जिसको स्पेन के अंतरराष्ट्रीय मेडिकल कांफ्रेंस में प्रस्तुत किया गया है। रिसर्च के अनुसार पुरुषों द्वारा प्राइवेट पार्ट से जुड़ी समस्याओं को लंबे समय तक नजरअंदाज करने से उन्हें गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। एम्स के रिसर्च के मुताबिक पेनाइल कैंसर के 93 फीसदी मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से प्राइवेट पार्ट हटाना पड़ा है। डॉक्टरों के मुताबिक प्राइवेट पार्ट पर कोई गांठ, मस्सा या यूरीन के साथ ब्लड आने पर ये पेनाइल कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। इस बीमारी को लेकर लोगों में अब भी बहुत कम जानकारी है। एम्स भोपाल के डॉ. केतन मेहरा और उनकी टीम ने एक खास रिसर्च की है। इस स्टडी के बाद डॉ. मेहरा को हाल ही में स्पेन में हुए इंटरनेशनल मेडिकल कॉन्फ्रेंस में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पेनाइल और वृषण (टेस्टीकुलर) कैंसर के जटिल मामलों और उनके इलाज के नए तरीके दुनिया के सामने रखे। इस रिसर्च में 16 पुरुषों को शामिल किया गया। इनमें से 15 मरीजों को पेनाइल कैंसर की वजह से सर्जरी करवानी पड़ी, जिसमें उनका प्राइवेट पार्ट और उसके आसपास का संक्रमित हिस्सा हटाना पड़ा।

विजय मत एंकर जल गंगा संवर्धन अभियान

पुनर्जीवित हुआ शालीवाडा शारदा का सूखा तालाब, गाँव को मिली हरियाली की सौगात

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक ÷जलगंगा संवर्धन अभियान÷ चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से प्रदेशभर के जलस्रोतों को पुनर्जीवित कर जल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया। छिंदवाड़ा जिले के विकासखण्ड परासिया के ग्राम शालीवाडा शारदा ने इसी अभियान में भागीदारी कर वह कर दिखाया, जो वर्षों से केवल एक सपना था।

सूखा था जो तालाब कभी, अब वो जल से भरा हुआ है,

प्रयास जो मिलकर किए थे, गाँव को हरियाली से भर दिया है।

पी.एच.ई विभाग और ग्रामवासियों के साझा प्रयासों से बदली तस्वीर- गाँव के मध्य स्थित वर्षों पुराना तालाब गंदगी, झाड़ियों और प्लास्टिक कचरे के कारण उपयोगहीन हो गया था। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संभाग परासिया की पहल, ग्राम पंचायत के नेतृत्व और ग्रामीणों की भागीदारी ने इस तालाब की तकदीर बदल दी है।

तकनीकी टीम ने पहले तालाब का सर्वे कर आवश्यक सुधार बिंदु तय किए इसके बाद प्राकृतिक नालों की सफाई कर वर्षा जल को तालाब की ओर मोड़ा गया। तालाब की खुदाई कर उसकी गहराई और जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई गई। ग्रामवासियों ने भी श्रमदान कर सफाई और निर्माण में पूर्ण योगदान दिया। आज वही सूखा और गंदगी से पटा तालाब पानी से लबालब है। खेतों में सिंचाई संभव हो गई है, हैंडपंप व कुएँ रीचार्ज हो चुके हैं, और भूजल स्तर में सुधार के स्पष्ट संकेत दिख रहे हैं। गाँव में हरियाली लौट आई है और किसान प्रसन्न हैं। तालाब की कोख भरी, हरियाली बनकर आशा उग आई है। जल गंगा संवर्धन अभियान ने केवल एक तालाब को नहीं, बल्कि एक पूरे गाँव की सोच और भविष्य को बदल दिया है। ÷जहाँ जल, वहाँ कल÷ की भावना को साकार करते हुए ग्राम शालीवाडा शारदा एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है और ग्रामीणों ने जल संरक्षण के महत्व को अच्छी तरह समझ लिया है।

चाय-नाश्ते और चर्चा में खर्च हो रहा हेल्थ बजट

एसआरएस रिपोर्ट पर पटवारी बोले-1000 में 40 नवजातों की हो रही मौत, सरकार बयानबाजी में व्यस्त

विजय मत, भोपाल

दो दिन पहले जारी हुई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट में शिशु और मातृ मृत्यु दर के मामले में मध्यप्रदेश सबसे खराब राज्यों में फिर नजर आया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एसआरएस की रिपोर्ट को लेकर मप्र सरकार और स्वास्थ्य विभाग के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। पटवारी ने सीएम डॉ. मोहन यादव को लेटर लिखा है।

हर 1000 में 40 बच्चे नहीं मना पाते पहला जन्मदिन

पटवारी ने अपने पत्र में लिखा- सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की ताजा रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि हमारे प्रदेश में हर 1000 में से 40 बच्चे अपना पहला जन्मदिन भी नहीं मना पाते।दो दिन पहले जारी हुई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट में शिशु और मातृ मृत्यु दर के मामले में मध्यप्रदेश सबसे खराब राज्यों में फिर नजर आया है।

सिर्फ 120 अस्पतालों में ही डिलीवरी की सुविधा क्यों?

पटवारी ने लिखा- मुख्यमंत्री जी, इन अविश्वसनीय आंकड़ों पर भी गौर फरमाइए। 2022 में जब प्रदेश में कुल 547 स्वास्थ्य केंद्र (52 जिला, 161 सिविल और 348 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) थे, तो केवल 120 अस्पतालों में ही सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा क्यों थी? क्या बाकी अस्पताल सिर्फ नाम के लिए खड़े हैं, या फिर वे सिर्फ रेफरल सेंटर बनकर रह गए हैं?

भोपाल से दिल्ली तक सिर्फ बयानबाजी

पटवारी ने आगे लिखा- आपकी सरकार जिस कागजी विकास की गंगा बहा रही है, वह कितनी गहरी है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हम हर महीने कर्ज लेकर इस विकास-रथ को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी में ?4500 करोड़ का सालाना स्वास्थ्य बजट भी है, लेकिन यह पैसा जाता कहां है? क्या यह कुपोषण के ऐसे घोटालों में समा जाता है, जिनकी रिपोर्ट कैग हर साल देता है?

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com

दोषी अधिकारियों- कर्मचारियों पर कार्यवाही के निर्देश

राज्य सरकार खिवनी अभयारण्य के प्रभावितों के साथ है: मोहन

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इछावर-खातेगांव क्षेत्र के प्रभावितों के साथ की भेंट

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खिवनी अभयारण्य के लिए वन विभाग द्वारा खातेगांव इछावर क्षेत्र मे की गई कार्यवाही से प्रभावित क्षेत्र के जनजातीय समुदाय के लोगों के साथ समत्व भवन में भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवेदनशीलता से शिकायतों और पीड़ा को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्रवाई पर खेद व्यक्त करते हुए, स्थिति का उचित समाधान निकालने, शिकायतों की जांच करवाने, दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्यवाही करने और क्षेत्र के लोगों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावितों के साथ है। यह सुनिश्चित किया जाएगा की बरसात में किसी को कोई तकलीफ ना हो। राहत के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जांएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में बालाघाट जिले की सूमा उइके की पहल को सराहा

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में बालाघाट जिले के कटंगी ब्लॉक की सूमा उइके का उल्लेख करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार, महिलाओं- युवाओं -गरीबों और किसानों के जीवन में बदलाव लाने और उन्हें आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर करने की दिशा में समर्पित भाव से प्रयासरत है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में राज्य के इन प्रयासों का उल्लेख करने से प्रदेशवासियों का उत्साह बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि बालाघाट जिले के कटंगी विकासखंड के ग्राम भजियापार की सूमा उइके ने स्व सहायता समूह से जुड़कर मशरूम की खेती और पशुपालन की ट्रेनिंग ली और आय बढ़ने पर थर्मल थेरेपी और दीदी केंटीन से आय अर्जित कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजयनगर लालघाटी क्षेत्र में रमेश विजयवर्गीय के निवास पर श्रवण किया।

हर्राखेड़ा में जल गंगा अभियान की चमक, डगवेल पिट बना समृद्धि का स्रोत

विजय मत, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ ने प्रदेश के किसानों के जीवन में आशाजनक बदलाव लाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में भोपाल जिले की ग्राम पंचायत हर्राखेड़ा के किसान कैलाश पिता हीरालाल ने जल संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल करते हुए शासन की योजना का लाभ लेकर अपने खेत में डगवेल रिचार्ज पिट का निर्माण करवाया है।

महज 24 हजार रुपये की लागत से बना यह रिचार्ज पिट आज न केवल कैलाश के लिए सिंचाई का स्थायी साधन बन चुका है, बल्कि ग्रामवासियों के लिए जल प्रबंधन की सीख देने वाला केंद्र भी बन गया है। उन्होंने बताया कि अब इस पिट में एकत्रित वर्षा जल धीरे-धीरे जमीन में समाहित होता है, जिससे उनके कुएं और आसपास के जलस्रोतों में जलस्तर में सुधार हो रहा है। यह परिवर्तन उनके जीवन में एक नई ऊर्जा और आशा लेकर आया है।

पूर्व में कैलाश को पूरी तरह बारिश पर निर्भर रहकर खेती करनी पड़ती थी, जिससे उत्पादन सीमित रहता था। अब डगवेल पिट से मिली जल उपलब्धता ने उन्हें सब्जियां और फल जैसी अधिक लाभदायक फसलें उगाने के लिए प्रेरित किया है। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कैलाश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। यह कहानी बताती है कि जल संरक्षण की दिशा में छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत न सिर्फ नए जल संरचनाएं बनाई जा रही हैं, बल्कि पुराने कुएं, बावड़ियां और तालाबों का पुनर्जीवन भी हो रहा है। गांव- गांव में जनसहभागिता से यह अभियान एक जनांदोलन का रूप ले चुका है।

जल ही जीवन है - इस मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए कैलाश जैसे जागरूक किसान पूरे प्रदेश में उदाहरण बन रहे हैं। यह कहानी हमें सिखाती है कि यदि हम जल के महत्व को समझें और उसकी एक-एक बूँद का संरक्षण करें, तो न केवल हमारी फसलें लहलहाएँगी, बल्कि अगली पीढ़ी को भी समृद्ध भविष्य मिलेगा।

न्यूज इन शॉर्ट

17 साल के कॉलेज छात्र ने खाया जहर, हुई मौत

भोपाल। पुराने शहर के टीला जमालपुरा थाना इलाके में रहने वाले कॉलेज छात्र ने बीती रात जहर खा लिया। परिवार वाले उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर कारणो की जॉच शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार ओल्ड सिंधी कॉलोनी, टीलाजमालपुरा में रहने वाला पंकज रमानी (17) कॉलेज छात्र था। उसके मामा-मामी भी ओल्ड सिंधी कॉलोनी में रहते हैं, पकंज उनके साथ ही रहता था। मामा ने पुलिस को बताया कि रात करीब 10 बजे पंकज ने जहरीला पर्दाथ खा लिया था। बाद में उसे उल्टियां होने लगी और उसकी हालत लगातार बिगड़ने लगी। जब उससे उल्टी करने का कारण पूछा गया तब उसने जहर खाने की बात बताई। उसे इलाज के फौरन ही अस्पताल ले जाया गया, जहॉ उसकी मौत हो गई। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से फिलहाल खुदकुशी का कारण साफ नहीं हो सका है, जिसकी पुलिस जॉच कर रही है।

25 लाख की रंगदारी नहीं देने पर कारोबारी को दी जान से मारने की धमकी

भोपाल। अशोका गार्डन थाना इलाके में स्थित मयूर बिहार कॉलोनी में रहने वाले एक कारोबारी से 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और रकम न देने पर उसे जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। फरियादी मोहम्मद मतीन की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद फैज के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद मतीन ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उन्हें फोन कर 25 लाख रुपये की मांग की। रकम देने से इनकार करने पर आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद मतीन ने अशोका गार्डन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आरोपी के मोबाइल नंबर के आधार पर आगे की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है की जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

सड़क पर वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले बदमाश के खिलाफ एनएसए की कार्यवाही

भोपाल। शाहपुरा थाना इलाके में बीते अप्रैल माह में बीच सड़क पर वाहनो को रोककर तोड़फोड़ करने वाले हबीबगंज इलाके के निगरानी बदमाश सूरज उर्फ काला के खिलाफ हबीबगंज पुलिस ने एनएसए की कार्यवाही की है। जाकनारी के अनुसार 28 अप्रैल 2025 को श्यामनगर में रहने वाले फरियादी देवेंद्र वर्मा ने शाहपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था, वह अपनी कार से जा रहे थे, रास्ते में बदमाश सूरज विश्वकर्मा और उसके साथियो ने उनकी चलती कार पर पत्थर और डंडे मारकर कॉच फोड़ दिये। इसके साथ ही बदमाश ने सड़क से गुजर रहे कई वाहनो में तोड़फोड़ कर गाली-गलौच की थी। शाहपुरा पुलिस ने बदमाश के खिलाफ कई वाहनो मे तोड़फोड़, मारपीट, गाली गलौच करने पर मामला कायम किया थाद्य पुलिस ने बताया आरोपी सूरज विश्वकर्मा उर्फ काला पिता स्वर्गीय जियाराम विश्वकर्मा (30) निवासी पीसी नगर हबीबगंज हाल पता दृष्टि कॉलोनी कोलार थाना हबीबगंज का निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ थाना हबीबगंज सहित भोपाल के अनेक स्थानों में 36 अपराधिक प्रकरण पूर्व से दर्ज है। और उसके खिलाफ समय-समय पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है। उसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये उसका एनएसए प्रकरण थाना हबीबगंज द्वारा तैयार कर पुलिस उपायुक्त व अति पुलिस आयुक्त (कानून एवं वयवस्था) के सामने प्रस्तुत करने के बाद जिला कलेक्टर के पास भेजा गया था।

मोटा किराया देने का झांसा देकर जालसाजों ने तीन कारें हड़पी

भोपाल। बैरसिया थाना पुलिस ने दो ऐसे शातिर के खिलाफ मामला कायम किया है, जिसने पहले तो तीन गाड़ी मालिकों को उनके चार पहिया वाहनो का मोटा किराया देने का झांसा देकर पहले तो उनकी गाड़ियां ले ली। इसके बाद आरोपियों ने एक-दो महीने तक तो उन्हें गाड़ी का किराया दिया इसके बाद न तो किराया दिया और न ही उनके वाहन वापस लौटाये। परेशान फरियादियों की शिकायत की जॉच पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार नीतेश पाल (25) निवासी ग्राम सोहाया ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की आरोपी आकाश कुचबंदिया और जगदीश रघुवंशी ने उनसे कहा था की यदि वह अपनी कार उन्हें किराये पर दे तो वह उन्हें हर महीने काफी अच्छा किराया देगें।

नि:शुल्क अनाज वितरण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: नागर सिंह चौहान

विजय मत, भोपाल

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा है कि जनजातीय अंचलों में पात्र परिवारों को नि:शुल्क राशन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कहीं भी अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो जिम्मेदार कर्मचारियों और सेल्समेन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने गरीब और जनजातीय भाईयों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। राशन कार्ड धारकों को तीन माह का अग्रिम नि:शुल्क राशन जून महीने में ही वितरित करने की योजना बनाई गई है, ताकि वर्षा ऋतु में किसी भी तरह की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना पर पूरी गंभीरता से अमल कर रही है। अलीराजपुर जिले सहित प्रदेश के अन्य जनजातीय बहुल इलाकों में भी इस योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

मंत्री चौहान ने जिले के जनजातीय भाईयों से भी अपील की है कि वे अपने उचित मूल्य की दुकान से जून महीने में ही तीन माह का पूरा राशन प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि हाल ही में जिले के विभिन्न गांवों से उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ स्थानों पर हितग्राहियों को केवल दो माह का ही राशन वितरित किया जा रहा है, जबकि उन्हें तीन माह का अनाज अग्रिम रूप से दिया जाना चाहिए। इसके अलावा स्व-सहायता समूह की बहनों और सेल्समेन के द्वारा राशन वितरण कार्य में लापरवाही की शिकायतें भी सामने आई हैं। इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए मंत्री चौहान ने जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में अनाज की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि यदि कोई कर्मचारी, सेल्समेन या समूह की सदस्य लापरवाही बरतते पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ नियम अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में उन्होंने जिला कलेक्टर को निगरानी बढ़ाने और ग्राम स्तर तक वितरण की सतत समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं। मंत्री चौहान ने कहा कि सरकार गरीबों और जनजाति वर्ग के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने ग्रामवासियों से भी अपील की है कि यदि कहीं भी राशन वितरण में गड़बड़ी हो तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

मध्यप्रदेश में चयनित असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति अधर में, उच्च शिक्षा विभाग की चुप्पी बढ़ा रही चिंता

भोपाल। मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक गंभीर स्थिति बनती जा रही है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा शासकीय महाविद्यालयों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर चयनित 747 अभ्यर्थी एक महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी नियुक्ति आदेश की प्रतीक्षा में हैं। स्थिति यह है कि विभिन्न विषयों के चयन परिणाम जारी किए जाने के बाद भी उच्च शिक्षा विभाग की ओर से न तो दस्तावेज़ सत्यापन शुरू किया गया है और न ही कोई आधिकारिक सूचना जारी हुई है। इस देरी से चयनित उम्मीदवारों में गहरी निराशा और असमंजस की स्थिति है। खास बात यह है कि संस्कृत विषय का रिजल्ट जारी हुए 151 दिन और गृह विज्ञान का परिणाम आए 147 दिन हो चुके हैं, फिर भी अब तक नियुक्ति पत्र नहीं दिए गए हैं।

इंदौरवासियों का अब होगा डिजिटल पता, मेयर ने घरों में क्यूआर कोड लगाकर की शुरुआत

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

इंदौर में अब हर घर का डिजिटल पता होगा। नगर निगम यह आधुनिक सुविधा मुफ्त में प्रदान कर रहा है। शहर में साढ़े चार लाख से ज्यादा मकानों का डिजिटल पता रहेगा। घरों व फ्लैटों के बाहर क्यूआर कोड लगा रहेगा। स्कैन करते ही मोबाइल पर डिजिटल पेज खुल जाएगा। बिजली पानी के बिलों का भुगतान उसके जरिए होगा। इसके अलावा प्रमाण पत्र, संपति कर की जानकारी भी मिल सकेगी। क्यूआर कोड शेयर करके मकान मालिक अपने घर की सही लोकेशन भी भेज सकेंगे।

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को सुदामा नगर के घरों में क्यूआर कोड लगाकर इसकी शुरुआत की। इंदौर, देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब डिजिटल सिटी की दिशा में भी अग्रणी

भूमिका निभा रहा है।यह एक ऐतिहासिक पहल है जो नगर सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ और तकनीक-सक्षम बनाएगी।

नागरिकों की सहभागिता इस योजना की सफलता की कुंजी है।हमने इंदौर को स्वच्छ, हरित और सोलर युक्त शहर बनाने की दिशा में कई कार्य किए हैं। अब डिजिटल प्लेट के साथ हम डिजिटल इंदौर की नींव भी रख रहे हैं। यह प्रयास इंदौर को वैश्विक स्मार्ट शहरों की सूची में स्थापित करने में मदद करेगा। डिजिटल पता एक क्यूआर कोड आधारित एड्रेस सिस्टम है।

भोपाल में आधी रात को युवक की गोली मारकर की हत्या

- कुख्यात बदमाश ने साथियों के साथ मिलकर किये कई रांउड फायर
- रंजिश के चलते आदतन बदमाश की हत्या करने आये थे आरोपी

विजय मत, भोपाल

पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में स्थित लीलाधर कॉलोनी में पुरानी रंजिश को लेकर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात बैखौफ बदमाशो ने सरेराह अंधाधुंध फायरिंग कर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। गोलीकांड से इलाके में दहशत फैल गई। हत्या का मुख्य आरोपी कुख्यात बदमाश है, जिसके खिलाफ दर्जनो मामले दर्ज है। बताया गया है कि मुख्य आरोपी बदमाश नसीम बन्ने खां अपने साथियो के साथ पुरानी रजिंश के चलते आदतन बदमाश राजा खटीक की हत्या करने आया था, लेकिन इसी दौरान गोली उसके साथ मौजूद अमित वर्मा के सिर में लगने से उसकी जान चली गई। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ नामजद एफआईटार दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये है। मिली जानकारी के अनुसार बरखेड़ी फाटक गली नंबर दो खटीकपुरा में रहने वाला 22

मृतक.अमित वर्मा

आरोपी. नसीम बन्ने खां

साल का अमित वर्मा पिता राधेश्याम वर्मा एक कपड़े की दुकान पर नौकरी करता था। शनिवार को अमित लीलाधर कॉलोनी में रहने वाले अपने दोस्त आशू खटीक का जन्मदिन मनाने के लिये अन्य दोस्तों के साथ उसके घर गया था। रात करीब 12 बजे सभी दोस्तों ने मिलकर केक काटा इसके बाद सड़क पर खड़े होकर बातचीत कर रहे थे।

उसी दौरान बदमाश नसीम बन्ने खां अपने करीब आधा दर्जन साथियो के साथ दो बाइकों पर सवार होकर वहॉ आया और हंगामा करते हुए करीब 6 राउंड फायर किए। अधांधुंध फायरिंग में दो गालियां अमित के सिर और पेट में लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद बदमाश पिस्टल लहराते हुए फरार हो गए। अमित के दोस्त

उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। अमित के परिवार वालो का कहना है कि आरोपी नसीम से अमित की कोई रंजिश नहीं थी। हत्याकांड में थाना पुलिस के मुताबिक बदमाश नसीम की लीलाधर कॉलोनी में रहने वाले राजा खटीक से लेन-देन विवाद पर पुरानी रंजिश चल रही है। इसी रंजिश के चलते नसीम अपने साथियो के साथ राजा की हत्या के इरादे से अपने साथियो के साथ आया था। राजा वारदात के समय अमित और उसके दोस्तों के साथ था। नसीम ने अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे गोली अमित को लगी और उसकी जान चली गई।

पोषण से परिवर्तन की ओर-बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला आज

विजय मत, भोपाल

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में सुपोषित मध्यप्रदेश की दिशा में बढ़ते कदम को मजबूत करने एवं प्रभावी हस्तक्षेपों की सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से दिनांक30 जून 2025 को होटल लेक व्यू रेजिडेंसी, श्यामलाहिल्स, भोपाल में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव, महिलाएवं बाल विकास श्रीमती रश्मि अरुण शमी तथाआयुक्त, महिला एवं बाल विकास श्रीमती सूफिया फारुकीवली द्वारा प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यशाला में प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालकों, जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारियों के साथ विषय-विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्यसर्वे -3 (2005-2006) से सर्वे- 5 (वर्ष 2020-2021) केदौरान बच्चों के पोषण स्तर में व्यापक रूप से सुधारपरिलक्षित हुआ है। इन आंकड़ों के अनुसार कम वजन मेंलगभग 45त्न, दुबलापन में 46त्न एवं ठिगनापन में 29त्न तक का सुधार प्रदर्शित हो रहा है। कार्यशाला में इन्हीआंकड़ों के विश्लेषण एवं सुपोषित मध्यप्रदेश की आगामीकार्य योजना के बारे में चर्चा की जाएगी।

बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए जिलों द्वारा स्थानीय स्तर पर नवाचार किए जा रहे हैं। कार्यशाला के दौरान इन नवाचारों, विशेष प्रयासों काप्रस्तुतीकरण भी किया जाएगा। झाबुआ से कुपोषित बच्चों के पोषण प्रबंधन हेतु मोटीआई, देवास जिले के मिशन किलकारी अंतर्गतस्पेशल हृ्रष्ट जैसे प्रयासों को प्रस्तुत किया जाएगा।

कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों को भारत सरकार के पोषण ट्रैकर ऐप एवं राज्य स्तर से क्रियान्वित संपर्क ऐप के बारे में तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदाय किया जाएगा जिससे वे डिजिटल भारत अंतर्गत किए जा रहे तकनीकी प्रयासों को सरलता से अपना सके। प्रतिभागियों से फीडबैक लेकर आगामी कार्य योजना तैयार की जाएगी।

विजय मत एंकर — जल गंगा संवर्धन अभियान

खेतों में लौटी हरियाली, किसानों के जीवन में आई समृद्धि

विजय मत, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प ÷पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचाओ÷ को साकार करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ मध्यप्रदेश में एक जनांदोलन का रूप ले चुका है। प्रदेशभर में 30 जून तक चलाए जा रहे इस अभियान ने हजारों किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

भोपाल जिले की ग्राम पंचायत मनीखेड़ी गुनगा के कृषक अर्जुन सिंह पिता राम सिंह इसका जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने शासन की इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने खेत में एक तालाब का निर्माण करवाया है, जिसकी भराव क्षमता 3600 घन मीटर है। ?4.74 लाख की लागत से निर्मित यह तालाब न केवल

सिंचाई के लिए जल का स्थायी स्रोत बनेगा, बल्कि इसके माध्यम से मछली पालन जैसी आयवर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अर्जुन सिंह ने बताया कि पूर्व में उन्हें पूरी तरह वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब इस तालाब के जल से वे कम वर्षा में भी अपनी फसलों की सिंचाई कर सकेंगे। इससे उन्हें पारंपरिक फसलों के साथ-साथ सब्जियों और फलदार फसलों की खेती करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वे मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री को इस दूरदर्शी अभियान के लिए हृदय से धन्यवाद देते हैं। तीन माह से चल रहा है जल सहेजने का समर्पित अभियान भोपाल जिले सहित पूरे प्रदेश में विगत तीन माह से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। नए तालाबों के निर्माण के साथ-साथ पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। नदियों की साफ-सफाई एवं जल संचयन हेतु भी अनेक पहलें अपनाई गई हैं।

इस अभियान का मूल उद्देश्य जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना और भावी पीढ़ियों के लिए जल-सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना है। जल केवल कृषि या उद्योग के लिए ही नहीं, बल्कि हर जीव के अस्तित्व से जुड़ा अमूल्य संसाधन है। इसे बचाना हम सभी का सामाजिक और नैतिक कर्तव्य है। जल है तो कल है - जल गंगा संवर्धन अभियान का यह मंत्र अब हर गांव, हर किसान की प्रेरणा बन चुका है।

फर्जी फैकल्टी दिखाने वाले कॉलेज की रद्द होगी मान्यता

पूर्व सीएम बोले- नर्सिंग के बाद एक और घोटाला

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल स्थित बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध निजी कॉलेजों में फर्जी फैकल्टी को लेकर मामला गरमा गया है। दरअसल निजी कॉलेजों की लिस्ट ऑनलाइन अपडेट करने के बाद यह फर्जीवाड़ा सामने आया है। ऐसे में बीयू की ओर से भोपाल के 20 निजी कॉलेजों को नोटिस भेजा गया है। वहीं प्रदेश भर के बीयू से संबद्ध 45 निजी कॉलेजों द्वारा किए जा रहे फैकल्टी फर्जीवाड़े से उनकी संबद्धता समाप्त भी की जा सकती है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने निजी कॉलेज में स्टाफ फर्जीवाड़ा को लेकर ट्वीट कर सवाल खड़े किए हैं।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक्स कर लिखा कि मध्य प्रदेश में हर रोज एक नया घोटाला सामने आता है। अब तो इतने घोटाले हो चुके हैं कि प्रदेश में अलग से घोटाला जांच आयोग की स्थापना कर देनी चाहिए। बस इतनी गनीमत जरूर रखी जाए कि इस आयोग के गठन में ही घोटला न हो जाए। यह बात इसलिये कह रहा हूं कि नर्सिंग कॉलेज घोटाले के बाद अब मध्य प्रदेश में भोपाल की बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में भी फैकल्टी भर्ती में घोटाला सामने आया है। यूनिवर्सिटी से संबद्ध विभिन्न एजुकेशन, मैनेजमेंट, लॉ और फिजिकल एजुकेश कॉलेजों में फर्जी नियुक्ति किये जाने के कई मामले सामने आए हैं। एक ही व्यक्ति को कई-कई कॉलेजों में नियुक्त दिखाया जा रहा है।

कमलनाथ ने लिखा कि सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि बीजेपी के राज में प्रदेश में एक और घोटाला सामने आया है, सवाल यह भी है कि जिन कॉलेजों ने फर्जी फैकल्टी दिखाई है, असल में वहां पढ़ाई कैसे होती होगी? क्या इस तरह के कॉलेजों से पढ़े छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं की जा रही है?

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

समाज की अंतरात्मा को झकझोरता मातृत्व पर लगा कलंक

रिश्तों की कोमल भूमि पर भरोसे के बीज बोए जाते हैं। वहीं से अंकुरित होता है जीवन, वहीं से जन्म लेती है संवेदना। लेकिन अगर मां की कोख से जीवन नहीं, हिंसा जन्म लेने लगे, तो वह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि सभ्यता के विनाश का संकेत है। देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार से आई हालिया घटना, जिसमें एक महिला नेत्री ने अपनी ही नाबालिग बेटी का बलात्कार करवाया, ये न केवल एक अमानवीय कृत्य है, बल्कि यह भारतीय समाज की मूल आत्मा पर किया गया क्रूरतापूर्ण आघात भी है। यह वो धरती है, जहां मां को देवी मानकर पूजा गया। जहां मातृभूमि की संकल्पना में राष्ट्र का रूप देखा गया। वही मां, जब शोषण की सूत्रधार बन जाए, सत्ता और वासना के कॉकटेल में नैतिकता की हत्या कर दे, तो इस त्रासदी को केवल अपराध नहीं कहा जा सकता। यह एक आत्महत्या है संवेदना की, परिवार की, और समाज की। यह घटना हमें मजबूर करती है कि हम सिर्फ पुलिस कार्रवाई या न्यायिक प्रक्रिया की प्रतीक्षा न करें, बल्कि आत्ममंथन करें। उस मासूम लड़की के कोमल मन पर क्या बीती होगी, जो दुनिया में सबसे सुरक्षित स्थान अपनी मां की गोद से ही अपमान, उत्पीड़न और दर्द पाती रही। जब बेटी अपनी आंखों में दहशत और सवाल लिए देखती है, और मां जवाब में ÷ये सब करना ही पड़ेगा÷ कहती है, तब ये न सिर्फ विश्वासघात होता है, बल्कि उस नन्हीं आत्मा के साथ एक गहन ऐतिहासिक अन्याय भी। परिवार को भारतीय समाज में प्राथमिक इकाई कहा गया है ये वो ईकाई जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है, जो आत्मा को साकार करती है, जो सभ्यता की नींव रखती है। लेकिन जब वही इकाई भीतर से सड़ जाए, तो कौन से मंदिर, कौन से विद्यालय, कौन सा कानून समाज को बचा पाएंगे? हम टेक्नोलॉजी में आगे बढ़े हैं, लेकिन मूल्य कहाँ पीछे छूट गए? हमारी आत्मा की आवाज़ क्यों मंद पड़ती जा रही है? यह सवाल केवल उस एक मां का नहीं है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

जल की बूंद-बूंद पर संकट : नीतियों के बावजूद क्यों प्यासी है भारत की धरती?

> भारत की धरती पर जल का संकट एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर हैरानी होती है कि इतनी योजनाओं, घोषणाओं और नीतियों के बावजूद यह देश बूंद-बूंद के लिए क्यों तरस रहा है। जब कोई देश दुनिया की 18 प्रतिशत जनसंख्या को समेटे हुए हो और उसके पास केवल 4 प्रतिशत ताजे जल संसाधन हों, तो संकट की आशंका तो बनती है, पर यदि यही देश दशकों से जल संरक्षण और जल प्रबंधन की योजनाओं का ढोल पीटता हो और फिर भी सूखा, प्यास, और जलजनित बीमारियाँ उसके हिस्से में आएं – तो यह केवल प्राकृतिक संकट नहीं, यह नीति, प्रशासन और नागरिक चेतना की सामूहिक असफलता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी और मात्र 4 प्रतिशत ताजे जल संसाधनों के साथ गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, असंतुलित खेती, और जलवायु परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। सरकारी योजनाओं और नीतियों के बावजूद कार्यान्वयन और जनभागीदारी की कमी से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देना, जल की कीमत तय करना, और पुनर्चक्रण को अनिवार्य बनाना समय की मांग है। जब तक नीति, व्यवहार और चेतना एकसाथ नहीं बदलते, तब तक जल संकट भारत के भविष्य को चुनौती देता रहेगा। भारत में पानी की स्थिति को अगर आंकड़ों की भाषा में समझें, तो भयावहता साफ़ दिखाई देती है। नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपभोक्ता है – लगभग 25 प्रतिशत भूजल अकेले भारत निकालता है। 11 प्रतिशत से अधिक भूजल खंड अत्यधिक दोहित यानी श्1द्गह्-द्ग×श्चद्यश्वद्बह्लद्गस्र की स्थिति में हैं। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे 21 प्रमुख शहरों के 2030 तक भूजल समाप्त होने की चेतावनी दी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर, 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हैं। फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और भारी धातुओं से दूषित यह जल 23 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित कर रहा है। हर साल लगभग 2 लाख मौतें सिर्फ जलजनित बीमारियों से होती हैं – यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, यह हमारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

पानी का यह संकट केवल ग्रामीण इलाकों या गरीबों तक सीमित नहीं है। 2019 में जब चेन्नई जैसे आधुनिक शहर को ष्ठड्ड4 ‘द्गह्म्श का सामना करना पड़ा और जल ट्रेनें चलानी पड़ीं, तब यह साफ हो गया कि यह समस्या अब दरवाज़े पर नहीं, घर के भीतर आ चुकी है। और फिर भी हम इसे मौसमी समस्या मानकर हर बार भूल जाते हैं। सवाल यह है कि नीतियाँ तो बनीं – राष्ट्रीय जल नीति (2012), जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान – पर फिर भी पानी का स्तर क्यों गिरता जा रहा है? जवाब सरल है – हमारी नीतियाँ ज़मीन पर नहीं उतरतीं, और हमारे व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आता। आज भी देश के अधिकांश किसान पानी की फिजूलखर्ची करने वाली फसलों की खेती करते हैं। पंजाब और हरियाणा जैसे जल-संकटग्रस्त राज्य में धान और गन्ने की खेती केवल इसलिए होती है क्योंकि सरकार रूस्क्क और मुफ्त बिजली देती है। नतीजा – भूजल का तेज़ी से दोहन, खेतों का क्षरण, और जल स्रोतों का खत्म हो जाना। दूसरी ओर, ड्रिप सिंचाई या स्प्रिंकलर जैसे आधुनिक जल संरक्षण उपायों की पहुंच केवल 9 प्रतिशत खेतों तक ही सीमित है। किसान जानते हैं, पर अपनाते नहीं – क्योंकि नीति और व्यवहार में दूरी है। शहरों की बात करें तो पाइपलाइन से लेकर टंकी तक, हर जगह लीकेज और बर्बादी का आलम है। स्मार्ट मीटरिंग अभी भी अधिकांश नगरपालिकाओं के लिए नया शब्द है। पुनः उपयोग (recycling) और वर्षा जल संचयन जैसे उपाय कहीं-कहीं दिखते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से अपनाए नहीं जाते।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जल संकट को अब भी केवल प्राकृतिक समस्या समझा जाता है। जबकि यह एक स्पष्ट रूप से ‘नीतिगत और नैतिक’ संकट है। जब तक यह दृष्टिकोण नहीं बदलेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं होगी। अब समय आ गया है कि भारत पानी को मुफ्त संसाधन मानना बंद करे और उसे जीवन मूल्य की तरह देखे। इसके लिए कुछ गहन और ठोस सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, पानी की कीमत तय होनी चाहिए – चाहे वह पीने का हो, या सिंचाई का। मुफ्त पानी की संस्कृति ने उपभोग को बर्बादी में बदल दिया है। जल का मूल्य निर्धारण सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय विवेक के बीच संतुलन साध सकता है। दूसरा, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को केवल योजना पत्रों से निकालकर ज़मीनी हकीकत बनाना होगा। इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण, सस्ती उपलब्धता, और स्थानीय स्तर पर सहायता तंत्र बनाना होगा। तीसरा, भूजल का प्रबंधन केवल सरकार का नहीं, ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों का भी कर्तव्य होना चाहिए। अटल भूजल योजना को इस दिशा में सफल मॉडल के रूप में बढ़ाया जा सकता है। चौथा, किसानों को केवल फसल बीमा या सब्सिडी नहीं, जल आधारित फसल मार्गदर्शन की ज़रूरत है। यह तभी होगा जब रूस्क्क का ढांचा जल संरक्षण के अनुकूल फसलों को बढ़ावा देगा। देश को ऐसे नीतिगत हस्तक्षेपों की ज़रूरत है जो किसान की आय भी बढ़ाएं और पानी की बचत भी करें। पाँचवां, शहरों में जल पुनर्चक्रण अनिवार्य किया जाए। जो नगर पालिकाएं wastewater को recycle नहीं करतीं, उन्हें दंड और प्रोत्साहन दोनों के माध्यम से बदला जाए। बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य हो, और इसके अनुपालन की निगरानी की जाए। छठा, बच्चों के स्कूली पाठ्यक्रम में जल संरक्षण को केवल पर्यावरण अध्याय के रूप में न पढ़ाया जाए, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के रूप में सिखाया जाए। यदि अगली पीढ़ी जल को कीमती माने, तो आज की प्यास भविष्य की सूखी धरती को बचा सकती है। सातवां, जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा – जैसा प्रधानमंत्री ने आह्वान किया था। लेकिन यह आह्वान केवल भाषणों में नहीं, बजट और प्रशासनिक प्रतिबद्धता में दिखना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान को पाने का पर्व

> भगवान ने राजा को उस संदूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुरोध किया, और भगवान ने उन्हें वह स्थान दिखायाइस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

संजय गोस्वामी

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पुरे देश मैं धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा। पूरी के जगन्नाथपूरी मैं कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण का दिल है दरअसल जब महाभारत मैं गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत मैं कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण क़ो श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और कहा जाता है कि द्वारिका नगरी समुद्र मैं डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल मैं सोये थे तो किसी जंगल मैं जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम मैं भगवान श्री कृष्ण के पाँव मैं तीर लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म मैं तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया था। जिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र मैं प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संदूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। राजा इंद्रदयुम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रदयुम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रदयुम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। ?तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति।

विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी।

विश्वचवसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रदयुम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्वूवसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए।

अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वेकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रदयुम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी ?मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल क़ो अग्नि देवता ने कुछ नहीँ किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन मैं दिल भी नदी मैं प्रवाहित हो गईकि पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर पूरी दुनिया के मंझे हुएशिक्षाविदों बुद्धिजीवियों व शिक्षा के क्षेत्र में विशेष विश्लेषणात्मक भूमिका रखने वालों की पूरी नजर गढ़ी हुई है, क्योंकि इस नई राष्ट्रीय नीति 2020 में अनेकों ऐसे अनुशंसित नियम व मौके हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में भारत की पीढ़ीयों में मील का पत्थर साबित होंगे। इसके पूर्व हमने देखे कि इंजीनियरिंग सहित अनेको कोर्स अपनी मातृभाषा में करने का सटीक सिस्टम लागू किया गया है, जो इस एनईपी 2020 का ही हिस्सा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के सभी राज्यों ने भी तुरंत लागू करना चाहिए क्योंकि इस शिक्षा नीति को अपनाने से जोजनरेशन निकलेगी वह पारिस्थितिकीजन्य विश्लेषण कर नई प्रौद्योगिकी वह नीति से आगे बढ़ाने वाली होगी।आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सीबीएसई के एग्जामिनर कंट्रोलर ने बुधवार दिनांक 25 जून 2025 शाम को प्रेस में बताया कि दसवीं की परीक्षा अब सत्र 2025-2026 से वर्ष में दो बार होगी, व उसका पूरा विवरण बताए जो हम नीचे पैराग्राफ में चर्चा करेंगे।चूँकि इस नए पैटर्न से छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार करने का मौका मिलेगा जो उनके करियर में मील का पत्थर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे सीबीएसई 10वीं बोर्ड का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण व छात्रों को सीखने का बेहतर मौका देना है। साथियों बात अगर हम सत्र 2025-26 से सीबीएसई 10वीं की परीक्षा पैटर्न में चेंज की करें तो,अगर हम या हमारे बच्चे 10वीं की तैयारी कर रहे हैं तो यह खबर हमारे लिए बेहद जरूरी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं के तरीके में बड़ा बदलाव करने का ऐलान किया है, अब छात्रों को परीक्षा में साल में दो बार बैठने का मौका मिलेगा, यानी अगर कोई छात्र अपने पहले प्रयास के अंकों से संतुष्ट नहीं है, तो वह दूसरी परीक्षा में बैठ सकता है, इसका उद्देश्य छात्रों पर से दबाव कम करना और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का दूसरा मौका देना है।सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक ने दी जानकारी दीं उन्होंने कहा, ‘‘पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा, दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगेइससे छात्रों को एक ही शैक्षणिक सत्र में दो अवसर मिलेंगे और वे समय पर अपने करियर और आगे की पढ़ाई के लिए निर्णय ले सकेंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8413

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वेदश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधु, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

शब्द पहेली -8412 का हल

	शा	र	दा		सा	हि	ल
दा	म		न		ल	त	ब
खि		प्रा	व	धा	न		रा
ल	व	ण		न	त	ह	त
		ना	म		रा	ह	
ती	र	थ		स	ल	ग	न
स		मु	च	ल	का		क
रा	ज		नी		ह	बे	टा
	न	र	म		जा	हि	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2025 वर्ष का 181 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.21 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 17.21 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.24 बजे तदनन्तर कौलव 21.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872391
जूलियन दिन 2460856.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.33 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.49 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.01 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.26 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.42 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.47 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.34 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.07 बजे से
राहुकाल		मेष	00.37 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	02.17 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.15 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

दिव्य मुस्कान महिला क्लब द्वारा हनुमान मंदिर में वाटर कूलर का लोकार्पण

शहडोल। शहर के प्राचीन हनुमान मंदिर में दिव्य मुस्कान महिला क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता संरक्षिका श्रीमती मंजू गुप्ता एवं सदस्य बहनों द्वारा विधिवत पूजा पाठ कर वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया। क्लब द्वारा हनुमान मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों की आवश्यकता को महसूस कर जनहित में क्लब ने निर्णय लिया कि इस मंदिर परिसर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा पुराने बस स्टैंड के पीछे अति प्राचीन एवं सिद्ध स्थान के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था दिनों-दिन बढती जा रही जिसे ध्यान में रख कर मंदिर समिति भी अपने स्तर पर परिसर के विकास में निरंतर सक्रिय है। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता और उनकी सभी सदस्य साथियों ने सुंदरकांड का पाठ किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा की गौरवपूर्ण उपस्थिति रही एवं संस्था की संरक्षिका श्रीमती मंजू गुप्ता एवं सदस्य पूनम जैन प्रीति गुप्ता राखी कटारे रंजना गुप्ता अंजू चौदह अलका गुप्ता अंजना पीपरसानिया पुष्पा पीपरसानिया रत्ना गुप्ता प्रेमलता जायसवाल सुनीता गुप्ता ममता नेमा शशि गुप्ता अंजलि बाजपेई रुचि गुप्ता निर्मल बग्गा भारती गुप्ता जगजीत बग्गा अनुपमा गुप्ता दीपा गौतम रेखा गुप्ता पुष्पा सिंह रुचि गुप्ता दिव्या कटारे माया सोनी रितु गुप्ता की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने स्वीकृत की आर्थिक सहायता राशि

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से शहडोल जिले के बुढार के ग्राम सरईकापा अनिल सिंह को उपचार हेतु 65 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित किए गए शिविर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले के 402 चिन्हित ग्रामों में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित कर जनजाति समुदायों के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जन् कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान करते हुए लाभान्वित किया जा रहा है। शहडोल जिले के धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम गोरतरा एवं जमुआ में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जनजाति समुदाय के उपस्थित जनों से आवेदन पत्र लिए गए व विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। ग्राम पंचायत गोरतरा मे 220 राशन कार्ड, 235 मनरेगा, 170 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, सुरक्षा बीमा योजना, 508 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 510 जन धन खाता, 235 मनरेगा, 28 विधवा पेंशन, 19 दिव्यांग पेंशन संबंधित आवेदन लिए गए तथा यथासंभव लाभान्वित किया गया। ग्राम जमुआ मे 365 निवास प्रमाण पत्र, 200 राशन कार्ड, 160 मनरेगा, 189 जनधन खाता, 15 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, 10 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 18 वृद्धावस्था पेंशन, 9 विधवा पेंशन योजना, 2 दिव्यांग पेंशन योजना ग्राम लक्ष्य के अनुरूप हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य किया गया। ग्राम पंचायत गोरतरा मे 1781 हितग्राहियों मे 1693 हितग्राहियों के आधार कार्ड सुधार किए गए।

राहुल गांधी को जो लगेगा सौ टंच वहीं बनेगा कांग्रेस जिलाध्यक्ष

जातीय समीकरण : सामान्य, पिछड़ा वर्ग, आदिवासी या अल्पसंख्यक वर्ग से होगा चयन

विजय मत, शहडोल

कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया तो पूरी कर ली गई है और शीघ्र ही जुलाई के प्रथम सप्ताह में कांग्रेस जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि आखिर इस बार कौन बनेगा जिलाध्यक्ष? अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं मप्र कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षकों ने दो बार शहडोल जिले का दौरा करके पार्टी कार्यकर्ताओ के ब्लाक से लेकर जिला स्तर पर बैठकें लेकर नब्ज टटोलने के बाद रिपोर्ट हाई कमान को यानी दिल्ली भेज दी है।

निष्ठावान सिपाही को मिलेगी कमान

पर्यवेक्षकों ने संकेत दिए है कि इस बार राहुल गांधी सभी जिलों की रिपोर्ट देखेंगे और जो सौ टंच होगा उसी को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी जाएगी। सौ टंच का मतलब है कि जो नेता पार्टी के प्रति निष्ठावान रहा हो और पार्टी से कभी गद्दारी न की हो। जो नेता कभी पार्टी छोड़कर चुनाव न लड़ा हो या जो दल बदल न किया हो, ऐसे ही कर्तव्यनिष्ठ सच्ची निष्ठा वाले कांग्रेस के सिपाही को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

जाति समीकरण का भी रखा जाएगा ध्यान

शहडोल संभाग के तीनों जिलो उमरिया, अनूपपुर एवं शहडोल में कांग्रेस पार्टी जाति समीकरण के हिसाब से भी जिलाध्यक्ष का चयन करेगी। एक सामान्य वर्ग से तो एक पिछड़ा वर्ग से और एक आदिवासी वर्ग से जिलाध्यक्ष का चयन किया जाएगा। अल्प संख्यक वर्ग से भी जिलाध्यक्ष बनाए जाने की पार्टी की रणनीति है। स्मरणीय है कि शहडोल जिले की 15 से 18 प्रतिशत आबादी सामान्य वर्ग से आती है तो 52 से 54 प्रतिशत पिछड़े वर्ग से और 32 से 38 प्रतिशत जनसंख्या आदिवासियों की है। अल्पसंख्यक वर्ग की आबादी 4 से 5 प्रतिशत है। कांग्रेस ने हर जाति वर्ग के कार्यकर्ता जिले में मौजूद हैं देखना है कि पार्टी किसका चयन करती है।

प्रमुख दावेदारों के नामों की चर्चा

वैसे तो तीन दर्जन से अधिक लोगों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए दावेदारी पर्यवेक्षकों के समक्ष प्रस्तुत की है परंतु जिन प्रमुख दावेदारों की चर्चा है उनमें वर्तमान जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रदीप सिंह एडवोकेट, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष बलमीत सिंह खनूजा, धनपुरी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मुबारक मास्टर, मप्र कांग्रेस के संयुक्त सचिव अजय अवस्थी, जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन मंत्री संतोष शुक्ल, , युवक कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रविन्द्र तिवारी, जयसिंहनगर ब्लाक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राम निहोर राव, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र मरावी, ब्लाक कांग्रेस ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी सोहागपुर के पूर्व अध्यक्ष मो. यूसुफ तथा प्रवीण सिंह शामिल हैं।

क्या इस बार शहडोल से बाहर के व्यक्ति को मिलेगी कमान

शहडोल जिले की यदि बात की जाए तो देश की आजादी के बाद से अब तक लगभग 78 वर्षों में एक या दो जिलाध्यक्ष को छोड़कर सभी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शहडोल जिला मुख्यालय से बनते रहे हैं परंतु इस बार इस बात की चर्चा है कि शहडोल जिला मुख्यालय से बाहर बुढार, धनपुरी, जयसिंहनगर या ब्योहारी से निष्ठावान पार्टी के सिपाही को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी जा सकती है।

बुढार से प्रदीप सिंह एवं बलमीत सिंह खनूजा, तो धनपुरी से मुबारक मास्टर, ब्योहारी से संतोष शुक्ला और विनोद ताम्रकार और जयसिंहनगर से रामनिहोर राव को कांग्रेस अध्यक्ष की कमान मिल सकती है। देखना है पार्टी हाई कमान किसका चयन करती है। सिर्फ एक सप्ताह और इंतजार करिए।

गेट में ताला जड़ परिवार को किया नजर बंद

दीवार कूदकर किसी तरह परिवार का मुखिया बुढ़ार थाना पहुंचा, दर्ज कराई रिपोर्ट

विजय मत, शहडोल

जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र में निवासरत एक परिवार को उसके ही रिस्तेदारों ने गेट में तालाबंदी कर पिछले 24 घंटे से भी अधिक समय से नजर बंद कर रखा हैं। किसी तरह दीवार कूदकर परिवार का मुखिया बुढ़ार थाना पहुँचा और इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। लेकिन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कड़ी कार्यवाही करने के बजाए पुलिस हस्ताक्षेप अयोग्य अपराध बताते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया।

इस संबंध में बुढ़ार थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 ईरानी मोहल्ला के बगल में रहने वाले मोहम्मद मजीद पिता मोहम्मद सईद 42 वर्ष ने थाने में दी गईं लिखित शिकायत में आरोपित किया हैं कि वह उक्त स्थान पर अपना मकान बनाकर वर्षो से अपने परिवार के साथ रहता हैं। मेरे अलावा उक्त बाड़ा के अंदर मेरे दो अन्य रिस्तेदारों का भी घर हैं। जिस स्थान पर मेरा मकान हैं वहाँ पर मेरी माँ की पुस्तैनी ज़मीन मौजूद हैं। जिसके खसरे में मेरी माँ का नाम भी दर्ज हैं। उक्त भूमि को मेरे उक्त रिस्तेदार हड़पना चाह रहें हैं। जिसके लिये वह आए दिन नए नए हथकंडे अपनाते रहते हैं। ताकि मै उक्त स्थान से भयभीत होकर कहीं और चला जाऊ।

इसके लिए मेरे रिश्तेदार मोहम्मद रईस एवं उसके पुत्र सलीम शहजादा द्वारा कल दिनांक 28 जून को तड़के बाड़ा के मुख्य संयुक्त निकासी मार्ग के गेट में ताला लगा दिया गया हैं। जिस कारण मै एवं मेरे परिवार के लोग पिछले 24 घंटे से भी अधिक समय से बाड़ा के अंदर कैद हैं। किसी तरह बाउंड्रीवाल कूदकर मैने थाना तक जाकर अपनी लिखित शिकायत सौंपी लेकिन पुलिस द्वारा अब तक कोई थोस कार्यवाही आरोपीगणो के खिलाफ नही की गईं हैं। और अभी तक गेट में ताला जड़ा हुआ हैं।

बच्ची को बाउंड्रीवाल कूदकर आना पड़ा अंदर

-शिकायत कर्ता ने बताया की इस ताला बंदी के कारण मेरी बच्चियों को स्कूल से वापसी के बाद घर के अंदर आने में काफी परेशानी उठानी पड़ी। मेरी पुत्री को अपनी जान जोखिम में डालकर बाड़ा की बाउंड्रीवाल कूदकर घर के अंदर आना पड़ा। आरोपियों के इस कृत्य से मै एवं मेरा परिवार काफी डरा सहमा हुआ हैं। मेरी बच्चिया इतनी भयभीत हो गईं हैं कि वह अब स्कूल जाने से भी डर रही हैं। उन्हें भय सता रहा हैं कि अगर वह बाहर निकलेंगी तो उनके साथ रिस्तेदारों द्वारा मारपीट की जाएगी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह पेशे से मोटर मैकेनिक हैं और उसकी गैरेज शहडोल में हैं। इसलिए वह हर सुबह अपनी दुकान शहडोल चला जाता हैं और रात्रि में घर लौटता हैं।मुझे यह भी अंदेशा हैं कि मेरी गैर मौजूदगी में मेरे परिवार के साथ किसी प्रकार की अनहोनी न हो जाए। ऐसी स्थिति में इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरे रिस्तेदार मोहम्मद रईस, उसके पुत्र सलीम शहजादा एवं रसीद उर्फ़ गुड्डा मिस्त्री की होंगी। पीड़ित ने बाड़ा के मुख्य सार्वजनिक गेट में बल पूर्वक लगाए गए ताला को खुलवाने के साथ साथ अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई हैं।

दो घरों में सेंध लगाकर हजारों की चोरी, पुलिस ने शुरू की जांच

विजय मत, शहडोल

जिले के सीधी थाना क्षेत्र के छपराटोला दरैन में दो घरों में सेंध लगा कर चोरी का मामला सामने आया है। घटना एक ही गांव के दो घरों में हुई है। जिसमें हजारों रुपए की चोरी बताई जा रही है। दोनों घरों में परिवार अंदर सो रहा था और दूसरे कमरे में सेंध लगाकर चोरी की वारदात को चोरों ने अंजाम दिया है। परिवार जब सुबह जगा तब उन्हें घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस अपनी पड़ताल कर रही है।

पुलिस ने बताया कि घटना सीधी थाना क्षेत्र के छपराटोला दरैन गांव में हुई है। दोनों घरों की दूरी आधा किलोमीटर से भी कम है, दोनों घरों में एक ही तरह से चोर अंदर घुसे और नगद रुपए और कीमती जेवर लेकर पर हो गए। पुलिस के अनुसार रामबली सिंह एवं नान बाई बैगा के घर यह चोरी की वारदात हुई है। पुलिस से पीड़ितों ने बताया कि वह दूसरे कमरे में सोए हुए थे, और पीछे की दीवार में छेद कर चोर अंदर घुसे और घर में रखी पेटी का ताला तोड़कर चांदी के जेवर एवं नगद रुपए लेकर फरार हो गए हैं, दोनों घरों से लगभग 80 हजार रुपए की चोरी बताई गई है।

पुलिस ने दोनों पीड़ितों की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है, और चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि चोर एक ही ग्रुप हो सकता है , क्योंकि दोनों घटना एक ही तरह से अंजाम दी गई है दोनों घरों में सेंध लगाकर वारदात की गई है।

वर्षाकाल में नालियों की सफाई एवं आवागमन मार्गों के अवरोध हटाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

विजय मत, शहडोल

वर्षाकाल में नगरीय निकायों के आवागमन मार्गों के अवरोध हटाने, सड़कों के गढ्ढे भराने, सेप्टिक टैंकों की नियमित साफ-सफाई कराने, पेयजल सप्लाई में जहां पाईप लाईन टूट गई हों की मरम्मत कराने, नालियों की सफाई तथा जर्जर भवनों का चिन्हांकन कर हटाने के कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुद्रिका सिंह, डीएसपी राघवेन्द्र द्विवेदी, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण तथा नगरीय निकायों के नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अमृत योजना फेज-1 तथा फेज-2 के कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। जो आवास अधूरे हैं उनकी सतत मानीटरिंग की जाए तथा उन्हें पूरा कराया जाए। फेज-2 के शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर संयुक्त टीम का गठन कर सत्यापन का कार्य पूरा किया जाए तथा उनके डीपीआर भी बनाए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि जिन हितग्राहियों के पास स्वयं की जमीन नहीं है लेकिन वे जरूरत मंद हैं उनके लिए अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है, वहां कॉलोनी विकसित कर योजना का लाभ हितग्राहियों को दिया जाए। बैठक में नगरीय निकायों को अपनी आय में वृद्धि करने हेतु कर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह ई-केवायसी के प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जून माह में शत-प्रतिशत उपलब्धि के निर्देश दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक किया जाए। इसी तरह वर्षाकाल में अमृत हरित क्रान्ति योजना के तहत सभी नगरीय निकायों को पौधरोपण का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

साखी में जल गंगा संवर्धन अभियान का किया गया समापन

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन शहडोल जिले के ब्यौहारी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साखी में जल गंगा सवंर्धन अभियान समापन कार्यक्रम में विधायक शरद जुगलाल कोल, जनपद अध्यक्ष आकांक्षी सिंह, जनपद सदस्य नरेन्द्र शास्त्री, सीईओ विजय सिंह, एपीओ के पी सिंह, उपयंत्री, सरपंच, सचिव, जलदूत एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विधायक ने लाभान्वित हितग्राहियों व जलदूतों को किया सम्मानित

शहडोल। विधायक जैतपुर जय सिंह मरावी की उपस्थित में जलगंगा संवर्धन अभियान का समापन कार्यक्रम ग्राम पंचायत अरझुला में किया गया। कार्यक्रम में विधायक जयसिंह मरावी द्वारा खेत तालाब के हितग्राहियो एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पंजीकृत जलदूतो को सम्मानित किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत अरझुला में 4 नवीन खेत तालाब को पूर्ण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, वरिष्ठ नागरिक विपुल सिंह,अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अनुराग निगम,सहायक यंत्री रघुवेन्द्र सिंह,उपयंत्री छत्रपाल कुशवाहा राजेन्द्र सिंह उपस्थिति रहे।

इंवेस्टर्स मीट — शहडोल संभाग में निवेश की बड़ी घोषणाएं, पर छह माह बाद भी युवाओं के हाथ खाली

वादों की चमक फीकी, रोजगार की ज़मीन अब भी बंजर

विजय मत, शहडोल

शहडोल संभाग के विकास की नई इबारत लिखने के नाम पर बीते माह हुई इंवेस्टर्स मीट अब सिर्फ यादों और वादों की गूंज बनकर रह गई है। मंच से करोड़ों के निवेश, हजारों रोजगार और दर्जनों उद्योगों की जो बातें की गई थीं, वे अब छह माह बीतने के बाद महज प्रतीक्षा और पलायन में बदल चुकी हैं।

शानदार शुरुआत, लेकिन सन्नाटा पसरा हुआ अंत – मीट में लगभग 32,500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की घोषणा हुई थी। 25 से अधिक उद्योगों के आने की बात सामने आई थी। प्रशासन, जनप्रतिनिधि और व्यापारी वर्ग, सभी को उम्मीद थी कि यह आयोजन शहडोल को औद्योगिक पहचान देगा। मगर न कोई नींव रखी गई, न कोई निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। वादों की बुनियाद पर खड़ी उम्मीदें अब दरकने लगी हैं। शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जैसे आदिवासी बाहुल्य जिलों में युवा अब भी महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली जैसे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। जयसिंहनगर और ब्यौहारी क्षेत्र के युवाओं के पास रोजगार का कोई स्थानीय विकल्प मौजूद नहीं है। छोटे-मोटे रोजगार भी ठप पड़े हैं, और मनरेगा जैसी योजनाएं भी पर्याप्त राहत नहीं दे पा रहीं।

अधोसंरचना की कमी बनी विकास में बाधा

स्थानीय इंडस्ट्रियल एरिया में अभी तक सड़क, बिजली, पानी, परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाएं पूरी नहीं हो पाईं। भूमि आवंटन, पर्यावरणीय स्वीकृतियां और प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता उद्योग स्थापना में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी है। इंडस्ट्रियल एरिया को विकसित करने के लिए प्रशासन द्वारा कई बार आश्वासन दिया गया परंतु स्थिति जस की तस बनी हुई है।

वादों से नहीं, क्रियान्वयन से बदलेगा भविष्य

इंवेस्टर्स मीट जैसे आयोजन अगर सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाएं, तो वे जनता की अपेक्षाओं से विश्वास को तोड़ते हैं। शहडोल संभाग को केवल घोषणाओं की नहीं, नीतिगत इच्छाशक्ति और जमीनी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। जब तक प्रस्ताव धरातल पर नहीं उतरते, तब तक युवाओं के सपनों में रोजगार बस एक कल्पना बनकर ही रहेगा।

एक भी व्यक्ति को नहीं मिला रोजगार : तिवारी

भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश तिवारी ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शहडोल संभागीय मुख्यालय में विगत छह माह पूर्व संभाग में औद्योगिक इकाइयां खोलने के लिए एवं रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए इन्वेस्टर मीट किया गया था लेकिन आज इतने दिनों बाद भी इसके परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। करोड़ों रुपए इस इन्वेस्टर मीट में खर्च किए गए थे । बहुत बड़ा ताम झाम फैलाया गया लेकिन एक भी लोगों को रोजगार नहीं मिला। मुख्यमंत्री जी भले ही इस दिशा में सक्रिय हो, लेकिन धरातल में स्थिति विपरीत है शहडोल जिले से ही लगभग 25000 से ज्यादा बेरोजगार प्रतिवर्ष रोजगार की तलाश में प्रवासी मजदूर बनकर जाते हैं और अपना जीवन यापन करते हैं। ऐसे में शासकीय योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगता है कि वह योजना कहां लागू होती है .। कैलाश तिवारी ने कहा है कि यहां पर वही उद्योग सफल हो सकते हैं जिनका रॉ मैटेरियल यहां पर उपलब्ध हो उसके आधारित उद्योग ही यहां पर सफल हो सकते हैं। भोपाल में बैठकर शहडोल की योजना बनाने से यही हश्र होगा।

यूज़ इन शॉर्ट

कॉबिंग गस्त में 4 गिरफ्तारी व 1 स्थायी वारंट के फ़रार आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय पेश

अनूपपुर। राजेन्द्रग्राम पुलिस ने 28 जून को कॉबिंग गस्त के दौरान फ़रार स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों की तलाश में फरार स्थायी वारंट थान सिंह पिता छोटू सिंह 35 वर्ष निवासी उफरीकला और गिरफ्तारी वारंटी राजपाल यादव पिता नंदलाल यादव 25 वर्ष निवासी जीलंग, महेश दास पिता गुलाबदास 43 वर्ष निवासी बरटोला, दरवारी सिंह पिता दनिया सिंह 39 वर्ष निवासी सरवाही, नवल सिंह पिता सुखलाल सिंह सिंह 25 वर्ष निवासी मजीठा थाना राजेन्द्रग्राम को गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय राजेन्द्रग्राम में पेश किया गया है।

सर्पदंश से घबराएं नहीं - एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं

सीधी। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन सीधी जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं। झोलाछाप डाक्टरों तथा झाड़फूक करने वालों के चक्कर में पड़कर समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधे। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है। सर्पदंश तथा अन्य जहरीले कीड़ों के काटने से बचने के लिए कुएं, अंधेरे गड्ढे, झाड़ियों आदि में हाथ न डालें। घर से बाहर निकलते समय जूते अवश्य पहनें। ठंडे, अंधेरे और नम स्थानों में साँप छिपते हैं, ऐसे स्थानों में जाने से बचें। सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान ने आदिवासी परिवारों की पेयजल की समस्या का किया समाधान

सीधी। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के ग्राम पंचायत झांझ के डांडी टोला में कुछ आदिवासी ऐसी जगह पर बसे हैं जहां चारों तरफ निजी भूमि है जिस कारण स्थाई पहुंच मार्ग अभी तक नहीं बन पाया है। हालांकि जनसंख्या में ये अधिक नहीं हैं लगभग 6 से 7 परिवारों की बस्ती है। इन लोगों के पास बाकी समस्याओं के साथ-साथ सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की थी। इनकी बस्ती के पास एक छोटे गड्ढे में पानी निकलता था उसी दूषित पानी को ये पीने और अन्य कार्यों में उपयोग करते थे। अब जल गंगा संवर्धन अभियान ने इन आदिवासी परिवारों की पेयजल समस्या का समाधान कर दिया है। ग्राम पंचायत ने अभियान के तहत उसी जगह पर हीरालाल कोल के खेत मे अब एक महीने के अंदर मनरेगा की कपिलधारा योजना के माध्यम से कुआं बना दिया है। इससे उन आदिवासी परिवारों की पेयजल समस्या के समाधान के साथ-साथ 478 मानव दिवसों का सृजन भी हुआ। बस्ती में निवासरत आदिवासियों के लिए यह कार्य किसी वरदान की तरह है। कुएं के साथ रिचार्ज स्ट्रक्चर भी बनाया गया है जो जलस्तर बढ़ाने में सहयोगी होगा। हीरालाल कोल की पत्नी चंदा रावत बताती हैं कि पहले पीने के पानी की बहुत समस्या थी, गड्ढे से जो पानी निकलता था वही पीते थे। बारिश के दिनों में तो समस्या और भी बढ़ जाती थी। अब शासन की पहल पर कुंआ बनने से बहुत ही खुशी और गर्व की अनुभूति हो रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जांच के लिए दल गठित

सीधी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन के संबंध में प्रसारित एवं प्रकाशित खबर कि अस्पताल में व्यवस्था बदहाल स्थिति में है एवं वार्डों में मरीजों के बेड पर आवारा कुत्ते आराम फरमाते हैं, के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे द्वारा आदेश जारी कर अस्पताल की जाँच के लिए समिति का गठन किया गया है।

अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करने उप संचालक कृषि ने की अपील

अवैध उर्वरक भंडारण पर कृषि विभाग एवं पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, कई को नोटिस

विजय मत, अनूपपुर

खरीफ की बुवाई के दौरान बाजारों में असली की जगह नकली खाद-बीज की उपलब्धता से किसानों को नुकसान न हो कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश में रविवार को कृषि विभाग अनूपपुर एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जैतहरी के ग्राम पचोहा में अवैध उर्वरक भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान सुनील राठौर द्वारा संचालित एक निजी गोदाम में बिना लाइसेंस के बड़ी मात्रा में जिंक सल्फेट एवं जैविक ह्यूमिक एसिड खाद का अवैध भंडारण पाया गया। स्थल पर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहा।

खाद की गुणवत्ता एवं वैधता संदिग्ध पाए जाने पर कृषि विभाग की टीम ने संबंधित खाद की जब्ती कर गोदाम को सील कर दिया । कृषि विभाग द्वारा प्राथमिक रिपोर्ट तैयार कर पुलिस विभाग को सौंपी गई है तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया प्रचलित है। इस प्रकार की गतिविधियों को रोकने जिला प्रशासन द्वारा निगरानी एवं सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रभारी उपसंचालक कृषि निशा सिन्हा ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करें एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग को दें। निरीक्षण के दौरान एसडीओ कृषि विकास सिंह, एसएडीओ रामाधार मरावी सहित पुलिस की टीम उपस्थित रही।

कई दुकानों में मिली अनियमितता, नोटिस

कृषि विभाग की बीज एवं खाद निरीक्षकों की टीमों द्वारा अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ में कृषि आदान विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य दुकानों पर उपलब्ध कीटनाशकों, बीजों एवं अन्य कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा नियमों के पालन की स्थिति की जांच करना था। जिसमें अनूपपुर मुख्यालय स्थित एक कृषि आदान विक्रेता की दुकान में बिना लाइसेंस की बिक्री तथा अवसादित कीटनाशकों की जब्ती की गई। वहीं 27 जून को कोतमा में भी कई दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाई गई अनियमितताओं को लेकर संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी कर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई।

कृषि उप संचालक ने किसानों से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत दुकानों से ही कीटनाशक एवं बीज खरीदें और विक्रय रसीद अवश्य लें। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस या गुणवत्ता विहीन कृषि आदान बेचने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इटावा के दादरपुर गांव की घटना के विरोध में अखिल भारतीय यादव महासभा ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विजय मत, अनूपपुर

22 जून को उत्तरप्रदेश के इटावा जिले के बकेबर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव में कथावाचक मुकुटमणि यादव एवं उनके सहयोगियों के साथ मारपीट, जबरन बाल काटना, सिर मंडण करना तथा नाक रगड़वाकर अन्य घृणित कार्य किए जाने के विरोध में 27 जून को अखिल भारतीय यादव महासभा के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह सहित अन्य के नाम कलेक्टर अनूपपुर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें जिलाध्यक्ष रामचरन यादव के नेतृत्व में सदस्यों ने यादव समाज के लोगों के प्रति की गई अति संवेदनशील अमानवीय घटना का विरोध किया तथा इसे स्वतंत्र भारत में आज भी कुछ लोगों द्वारा जातिवाद की घृणित मानसिकता व विचारधारा से ग्रसित होकर देश के लोगों की आपसी समरसता, भाईचारा को छिन्न भिन्न कर जातिवाद रूपी जहर फैलाकर नष्ट करना बताया। वहीं दादरपुर गांव में हुए घृणित घटना का वीडियो बनाकर बहुत ही शर्मनाक तरीके से सोशल मीडिया पर वायरल करना बताया है। उनका आरोप है कि इन लोगों ने भारतीय संविधान की आत्मा सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा, को नष्ट करने एवं देश के सम्पूर्ण यादव समुदाय को चोट पहुंचाने, देश की एकता अखंडता को नष्ट करने व जातिगत जहर को घोलने का अक्षम्य अपराध किया है। इनके इस अमानवीय कुकृत्य के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर पीड़ित लोगों के साथ साथ भारतवर्ष के सम्पूर्ण यादव समाज का अपमान करने वाले लोगों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई कर हमें न्याय प्रदान करें।

चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ों का सत्यापन एक जुलाई से

सीधी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एमपी ट्रांसको) द्वारा कनिष्ठ अभियंता (पारेषण-प्रशिक्षु) एवं लाइन परिचारक (प्रशिक्षु)-2024 के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया आगामी एक जुलाई से प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया तीन जुलाई तक चलेगी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता अतुल जोशी ने बताया कि सत्यापन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से एमपी ट्रांसको मुख्यालय, शक्तिभवन, ब्लॉक-2, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) कार्यालय, जबलपुर में किया जाएगा। उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के साथ अपलोड किए गए प्रमाण पत्र, अंकसूचियाँ एवं अन्य दस्तावेज़ों का परीक्षण उनकी मूल प्रतियों से किया जाएगा। इसके लिए तीन दल गठित किए गए हैं।

जल गंगा अभियान से बदली अमहा तालाब की सूरत

विजय मत, सीधी

जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अमृत 2.0 मिशन के तहत वाटरबॉडी रेजुवेनशन कार्यक्रम के तहत नगर पालिका सीधी के वार्ड क्रमांक 23 में स्थित अमहा तालाब के रिजुवनेशन का काम नगर पालिका सीधी के द्वारा किया गया है। पहले जिस जगह पर नगर के लोग आने से कतराते थे आज उस जगह पर आकर गर्व की अनुभूति करते है। आज नगर वासियों के लिए स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण के साथ ही सुबह शाम टहलने के लिए एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से तालाब का सौंदर्य करण का कार्य किया गया है। लगभग 59.50 लाख रुपये की लागत से अमहा तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया हैं जिसमें ग्रीन स्पेस को बढ़ाते हुए महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से नगर पालिका सीधी द्वारा अमृत 2.0 एवं डे एनयूएलएम के अभिसरण (कन्वर्जन) के माध्यम से वूमेन फॉर ट्री अभियान के तहत आम, जामुन, नीम, अमरूद, नीम, कचनार, पीपल, आवला, बरगद, मधुकामिनी, फॉक्सटेल पाम, पाईकस, अशोक इत्यादि पौधों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त तालाब में पिचिंग, तालाब के चारों तरफ रेलिंग बीम सहित घाट का मरम्मतीकरण एवं नवीन निर्माण, कर्व स्टोन एवं इसे पुरातन लुक देते हुए पुराने पद्धति के हिसाब से तालाब के चारों तरफ टहलने के लिए पाथ-वे रबल स्टोन इत्यादि का भी कार्य कराया गया है।

जिले में औसत वर्षा 195.8 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 29 जून को सीधी जिले में 19.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 15.0 मि.मी., गोपद बनास में 30.4 मि.मी., सिहावल में 42.2 मि.मी., बहरी में 38.0 मि.मी., मझौली में 11.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 195.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 29 जून तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 295.8 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 92.0, चुरहट में 154.5, गोपद बनास में 143.0, बहरी में 249.7 मझौली में 214.0 मि.मी. और कुसमी में 222.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 36.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 159.5 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

सार्थक एप में लगातार सामने आ रहा फर्जीवाड़ा

सागर के बाद विदिशा में 6 अतिथि विद्वानों की सेवा समाप्त, रद्दी की टोकरी में सीधी की शिकायत

विजय मत, सीधी

उच्च शिक्षा विभाग में सार्थक एप में हुआ फर्जीवाड़े ने हड़कंप मचा दिया। इस मामले में लगातार जांच की जा रही है व संचालनालय से लगातार जांच कर कार्यवाही की जा रही है। सागर के बाद अब विदिशा के शासकीय कन्या महाविद्यालय गंजबासौदा के 6 अतिथि विद्वानों की सेवा समाप्त कर दी गई। इन अतिथि विद्वानों द्वारा भी फर्जी तरीके से एप में हाजरी लगाई जा रही थी, वीडियो व वीडियो कालिंग के माध्यम से कॉलेज में न होते हुए भी कॉलेज की लोकेशन पर वह हाजरी लगा रहे थे। जांच में फर्जीवाड़ा आया तो वल्लभ भवन से उनकी सेवा ही समाप्त कर दी गई। लगातार हो रही कार्यवाहियों के बीच हैरानी की बात यह है कि क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा कार्यालय में सार्थक एप के ही फर्जीवाड़े से जुड़ी शिकायत पर प्रभारी एडी डॉ.आरपी सिंह ने अब तक संज्ञान नहीं लिया है। इस शिकायत का भी हाल पूर्व की शिकायतों की तरह की है और वह रद्दी की टोकरी में फेक दी गई है। हालांकि पूर्व की तरह इस मामले में भी प्रभारी एडी का दावा है कि जांच बैठा दी गई है लेकिन जिसे वह जांच सौंपने की बात कह रहे है उन्होंने इस बात से साफ इनकार कर दिया है कि उन्हें कोई जांच सौंपी गई है।

एडी व प्राचार्य पर कार्यवाही की मांग

बता दें कि पूर्व कांग्रेस प्रदेश सचिव रामप्रकाश तिवारी डैडू ने एडी रीवा से शिकायत कर बताया था कि शासकीय कॉलेज खड्डी जिला सीधी में कई अतिथि विद्वान गलत तरीके से हाजरी लगा रहे हैं। वह लोकेशन में रहते नहीं हैं इसके बाद भी उनकी लोकेशन खड्डी बताती है और आकर कई दिनों का एक साथ हस्ताक्षर भी करते हैं। प्रभारी प्राचार्य डॉ.रामसुरेश भारती कभी आते नहीं हैं और इन्हीं मनमानी करने वाले अतिथि विद्वानों को सार्थक एप का एडमिन आईडी पासवर्ड दे रखा है। पूर्व प्रदेश सचिव ने कहा कि शिकायत पर एडी ने संज्ञान नहीं लिया और उन्होंने शिकायत आयुक्त उच्च शिक्षा से की है और इसमें उन्होंने प्राचार्य व प्रभारी एडी पर भी कार्यवाही की मांग की है।

इनका कहना हैं

सार्थक एप से संबंधित शिकायत मिली है, शासकीय कॉलेज खड्डी जिला सीधी में कुछ अतिथि विद्वानों के गलत हाजरी लगाने की शिकायत मिली है। जांच के लिए लीड कॉलेज सीधी प्राचार्य को आदेशित किया है।

डॉ.आरपी सिंह,
प्रभारी क्षेत्रीय संचालक उच्च शिक्षा रीवा संभाग

मेरे पास कोई आदेश सार्थक एप में जांच संबंधित नहीं आए हैं, एडी रीवा ने इस संबंध में कोई आदेश नहीं दिया है।

डॉ.रामनारायण स्वर्णकार,
प्राचार्य लीड कॉलेज सीधी

गंभीर आरोप कार्यक्रम संयोजक एवं प्राचार्य पर लगाएं गए गंभीर आरोप, सम्मेलन में सिर्फ चुनिंदा पूर्व छात्रों को किया गया आमंत्रित

औपचारिकता में सिमटा संजय गांधी महाविद्यालय का पूर्व छात्र सम्मेलन

विजय मत, सीधी

जिले की अग्रणी महाविद्यालय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन सिर्फ औपचारिकता एवं बंदरबाट तक सीमित रहा। संजय गांधी महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन के आयोजन में प्रभारी प्राचार्य द्वारा अपने संबंधितों को बुलाकर कार्यक्रम को निपटाते हुए भ्रष्टाचार की बलि चढ़ा दी गई।

उल्लेखनीय है कि विगत दस दिनों में संजय गांधी महाविद्यालय में कई प्रभारी प्राचार्य बनाए गए और हटाए गए, आरोप है कि बिना वरिष्ठता का ध्यान दिए ही कनिष्ठ प्राध्यापक को प्रभारी प्राचार्य की कमान सौंप दी गई जो गलत है। यह जिले का अग्रणी महाविद्यालय है और अगर यहां कि व्यवस्था पर ग्रहण लग जाएगा तो समूचे जिले की सरकारी कॉलेजों के भविष्य पर ग्रहण लग जाएगा। आरोप यह भी है कि महाविद्यालय में पठन पाठन संबंधित व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है प्राध्यापको में प्रभारी प्राचार्य बनने की बाढ सी आ गई है। विगत एक वर्षों में लगभग आठ बार प्रभारी प्राचार्य बदले जा चुके हैं। पूर्व छात्र सम्मेलन को सिर्फ एक कमरे में औपचारिकता के लिए करा दिया गया जबकि शासन द्वारा इस कार्यक्रम के लिए पर्याप्त बजट भी मुहैया कराया जाता है जिससे बड़े स्तर में यह कार्यक्रम आयोजित हो, लेकिन यहां हालात यह है पूर्व छात्रों के साथ साथ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रों को भी आयोजन की जानकारी नहीं मिल पाई है।

संजय गांधी कॉलेज में पढ़ने वाले पूर्व छात्र भारत की सबसे बड़ी संस्था डीआरडीओ से लेकर जज, मजिस्ट्रेट, सांसद, विधायक, कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार तक पहुंचे हैं। कॉलेज के पास एक बड़ा आडिटोरियम होने के बाद भी पूर्व छात्रों का सम्मेलन एक कमरे में करा कर खाना पूर्ति कर दी गई।

प्रभारी प्राचार्य पर लगाएं गए आरोप

पूर्व छात्रों ने सम्मेलन की जानकारी मिलने पर आरोप लगाते हुए कहा कि कार्यक्रम के प्रभारी बनाए गए उमेश विश्वकर्मा एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ राम नारायण स्वर्णकार द्वारा खाना पूर्ति में पूर्व छात्रों का सम्मेलन निपटा दिया गया जबकि महाविद्यालय से जुड़े हुए पूर्व छात्र नेताओं को किसी प्रकार सूचना नहीं दी गई, ना ही किसी प्रकार का आमंत्रण दिया गया यह सम्मेलन गुपचुप तरीके से बजट का बंदरबांट करने तक सीमित रहा महाविद्यालय में इस तरह से होने वाले कार्यक्रमों की पूर्व छात्र छात्राओं ने कड़ी निंदा की है।

इनका कहना है।

महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन होने के बाद सोशल मीडिया द्वारा जानकारी मिली है, हमें महाविद्यालय द्वारा न तो कोई पूर्व सूचना दी गई थी और न ही किसी प्रकार का आमंत्रण दिया गया जबकि हम लोग लगातार छात्रों के बीच जा रहे है छात्र हित के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

पवन मिश्रा, पूर्व छात्र एवं अध्यक्ष जनभागीदारी मझौली महाविद्यालय।

हमें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई जबकि हम महाविद्यालय के छात्र एवं प्राध्यापको के निरंतर सम्पर्क में है किन्तु पूर्व छात्र सम्मेलन की किसी प्रकार की सूचना नहीं दी गई।

महेन्द्र वैश्य,
पूर्व छात्र संजय गांधी कॉलेज

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एवं कार्यक्रम प्रभारी की तानाशाही रवैए से छात्र एवं कॉलेज के अधिकारी कर्मचारी परेशान है इनको सात दिवस के अन्दर नहीं हटाया गया तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

सतीश पाण्डेय,
पूर्व छात्र संजय गांधी कॉलेज

महाविद्यालय में विगत एक वर्ष से जिस प्रकार प्राध्यापको में प्रभारी प्राचार्य बनाने की होड लगी है इससे जाहिर होता हैं कि कॉलेज अब राजनीति का अखाड़ा बन गया है, पठन पाठन पूरी तरह ध्वस्त हो चुका हैं।

संजीव साकेत,
पूर्व छात्र संजय गांधी कॉलेज सीधी

मंधाना के शतक से भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

सीरीज में 1-0 से आगे हुई

लंदन, एजेंसी

कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार शतक और अपना पहला ही मैच खेल रही श्री चरणी की अच्छी गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले ही टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से हरा दिया। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवरों में ही 113 रनों पर सिमट गयी। भारतीय टीम की जीत में मंधाना और चरणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंधाना ने जहां 112 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं श्री चरणी ने 4 विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार है। मंधाना इस मैच में शतक लगाने के साथ ही टी20 में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी हैं। इस मैच में जीत के लिए मिले 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही आर उसने लगातार विकेट गंवाए। उसकी ओर से केवल कप्तान नेट शीवर ब्रंट ने ही सबसे अधिक 66 रन बनाये। इंग्लैंड के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों से ऊपर पहुंच पाये।

सैमी पर आईसीसी ने 15 फीसदी जुर्माना लगाया

दुबई, एजेंसी

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सैमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का दोषी पाते हुए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। सैमी ने मैच के दूसरे दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के फैसलों पर सवाल उठाये थे। सैमी ने मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए थे, इसी कारण से उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में अंपायर पर एक नहीं पांच-पांच गलत फैसले देने के आरोप लगे। इसमें से चार वेस्टइंडीज के खिलाफ गये जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को डीआरएस के बाद नॉट आउट दिया गया। वहीं वेस्टइंडीज के शाई हॉप के आउट होने पर भी सवाल उठे।

पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन

ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाजी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई। फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी।

गौतम गंभीर पर बढ़ा दबाव, टेस्ट क्रिकेट में नतीजे देने की चुनौती : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर जब से भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बने है तब से टीम के प्रदर्शन को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। उनके कोच बनने के बाद टीम में कई बदलाव देखे गए हैं। हालांकि गंभीर बार-बार यह कहते रहे हैं कि टीम का चयन वे नहीं करते, लेकिन सभी जानते हैं कि चयन समिति कप्तान और कोच से बातचीत के बाद ही टीम को अंतिम रुप देने का काम करती है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट जीते हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हाल के वर्षों में टीम के प्रदर्शन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इसी को लेकर उनके पुराने साथी और पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने भी खुलकर कहा है कि अब गंभीर को नतीजे देने होंगे।

हाल ही में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत को हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हेडिंग्ले टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने 371 रन का बड़ा लक्ष्य देने के बावजूद पांच विकेट से हार का सामना किया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि अब गंभीर के पास ज्यादा समय नहीं है और उन्हें जल्द अच्छे नतीजे देने होंगे वरना उन पर दबाव और बढ़ेगा।

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि शुभमन गिल को फिलहाल दोष नहीं दिया जा सकता क्योंकि उन्होंने हाल ही में कप्तानी संभाली है और उन्हें अभी वक्त मिलेगा। लेकिन कोच के तौर पर गंभीर से सवाल जरूर पूछे जाने चाहिए। उनके मुताबिक ÷भारतीय क्रिकेट में यह सिद्धांत है कि अच्छा होगा तो तारीफ होगी और खराब होगा तो आलोचना भी होगी। मैं गिल के साथ अभी धैर्य रखूंगा, लेकिन गंभीर से सवाल जरूर होंगे।

आकाश चोपड़ा ने गंभीर के टेस्ट रिकॉर्ड की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गंभीर की कोचिंग में भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ दो और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच जीता है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन और इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट हार भी झेली है। उन्होंने साफ कहा कि गंभीर लगातार हार रहे हैं और दबाव बढ़ता जा रहा है।

चोपड़ा ने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने गंभीर की सभी मांगें मानी हैं। जो भी खिलाड़ी मांगा गया, वो दिया गया। चयनकर्ता वही दे रहे हैं जो टीम मैनेजमेंट चाहता है। ऐसे में अब कोई बहाना नहीं है। आपको नतीजे देने होंगे। सफेद गेंद क्रिकेट में प्रदर्शन अच्छा है, लेकिन टेस्ट में सवाल उठेंगे और इंग्लैंड के खिलाफ यह सीरीज बहुत अहम है। अगर यह सीरीज खराब गई तो सवाल जरूर खड़े होंगे।

स्टीव स्मिथ जल्द वापसी कर सकते हैः पैट कमिंस

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मैच में 159 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त बना ली। हालांकि, स्कोरलाइन से अलग मैच में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी, लेकिन कमजोर बल्लेबाजी के चलते उन्हें हार झेलनी पड़ी। खास बात यह रही कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मुकाबले में अपने दो प्रमुख बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बिना उतरी। स्मिथ चोटिल होने के कारण बाहर रहे जबकि लाबुशेन को लगातार खराब फॉर्म की वजह से टीम से ड्रॉप किया गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि स्मिथ अपनी चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में स्लिप में कैच लेते समय चोट लगी थी। कमिंस के मुताबिक स्मिथ ने न्यूयॉर्क में हल्की प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, ÷उन्होंने न्यूयॉर्क में कुछ ओवर खेले हैं, शायद टेनिस बॉल से ही सही। घाव अब ठीक लग रहा है। अगला स्टेज यहां आकर नेट्स में गेंदें खेलना है। हम आने वाले दिनों में देखेंगे कि वह कब तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं।÷ स्मिथ की कोशिश 3 जुलाई से ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट होकर लौटने की है।

पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को उनकी गैरमौजूदगी काफी खली। पहली पारी में टीम ने 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में 65 तक चार विकेट गिर गए। यह 2018 के बाद पहली बार था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम स्मिथ और लाबुशेन दोनों के बिना उतरी। लाबुशेन की जगह मिले मौके में युवा सैम कोटास प्रभावित नहीं कर सके। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी में सिर्फ पांच रन बनाए और दोनों पारियों में शमार जोसेफ का शिकार बने। जोश इंग्लिश भी खास योगदान नहीं दे सके और कुल 17 रन ही बना पाए। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के दम पर जीत दर्ज की। कमिंस ने यह भी माना कि बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत है और स्मिथ की वापसी से टीम को संतुलन मिलेगा। वेस्टइंडीज की ओर से गेंदबाजों ने अच्छा संघर्ष किया लेकिन बल्लेबाज दबाव नहीं झेल सके और पूरी टीम दोनों पारियों में लड़खड़ा गई।

बिजनेस

भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई

वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी मजबूत बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्थाः केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 26 के पहले दो महीने में भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वित्त मंत्रालय ने मासिक रिव्यू में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई, मजबूत एक्सटर्नल सेक्टर और एक स्थिर रोजगार की स्थिति के कारण वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 26 में भी सकारात्मक रुझान जारी रहने की संभावना है, शुरुआती हाई-फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स (एचएफआई) संकेत दे रहे हैं कि आर्थिक गतिविधि मजबूत बनी हुई है। ई-वे बिल जनरेशन, ईंधन खपत और पीएमआई सूचकांक जैसे एचएफआई निरंतर मजबूती की ओर इशारा करते हैं। ग्रामीण मांग में और मजबूती आई है, जिसे रबी की अच्छी फसल और सकारात्मक मानसून के

पूर्वानुमान से सपोर्ट मिला है। शहरी खपत को अवकाश और व्यावसायिक यात्राओं में वृद्धि से समर्थन मिल रहा है। हवाई यात्रियों की आवाजाही और होटलों में लोगों की बढ़ती संख्या में इसे आसानी से देखा जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू संकेतक काफी हद तक सकारात्मक रहे हैं, बाहरी घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखी गई। 2025 की शुरुआत में व्यापार तनाव में वृद्धि हुई और उसके बाद दूसरी तिमाही में आंशिक कमी देखी गई। रिव्यू में कहा गया है कि एक्सटर्नल सेक्टर पर भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जो टैरिफ अनिश्चितताओं और कमजोर वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बीच हमारे निर्यात की मजबूती बताता है।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा

- केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसी?लिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है।

सीमेंट की बिक्री मई में नौ प्रतिशत कीमतें आठ फीसदी बढ़ी

- मई, 2025 में कीमतें बढ़कर 360 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बोरी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल मई में सीमेंट उद्योग की बिक्री मात्रा के लिहाज से नौ प्रतिशत बढ़कर 3.96 करोड़ टन रही, जबकि सीमेंट की कीमतों में औसत आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक रेटिंग एजेंसी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, सीमेंट उद्योग ने मई, 2025 में अच्छा प्रदर्शन किया और इस दौरान कीमतें आठ प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की बोरी हो गईं। रिपोर्ट के अनुसार कच्चे माल की स्थिर लागत के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ, क्योंकि कोयले और पेटकोक की कीमतें कम हैं और डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में कीमतें सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये प्रति बोरी (50 किलोग्राम) हो गईं। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की समान अवधि में कीमतें सालाना आधार पर सात प्रतिशत घटकर 340 रुपये प्रति बोरी रह गईं थीं। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल और मई के दौरान बिक्री मात्रा सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 7.87 करोड़ टन हो गई। इक्रा ने संभावना जताई कि आवास और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से निरंतर मांग के कारण चालू वित्त वर्ष में सीमेंट की बिक्री मात्रा सालाना आधार पर छह से सात प्रतिशत बढ़कर 48-48.5 करोड़ टन हो जाएगी।

देश के कई नामी बैंक एफडी पर दे रहे 8.30 फीसदी तक ब्याज दरें

- एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.10, सीनियर सिटीजन 3.50 से 7.60 फीसदी तक दे रहा ब्याज

मुंबई, एजेंसी

एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है, जो तय समय के बाद गारंटीड रिटर्न के अच्छा ब्याज भी देता है। इस समय देश के कई नामी बैंक एफडी पर 8.30 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा सामान्य ग्राहकों को एफडी पर 3 फीसदी से 7.10 फीसदी तक और सीनियर सिटीजन को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। वहीं, एचडीएफसी बैंक सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। आईसीआईसीआई बैंक की दरें भी समान हैं, जहां सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक का रिटर्न दे रहा है। आरबीएल बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहा है। यह बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.80 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 से 8.30 फीसदी तक का अच्छा ब्याज दे रहा है, जो फिलहाल बाजार में सबसे अधिक है। कोटक महिंद्रा बैंक अपने एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 2.75 से 7.20 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.70 फीसदी ब्याज दे रहा है। वही आईडीबीआई बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 3 फीसदी से 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा भी एफडी निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प है। यहां सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.05 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 से 7.55 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 फीसदी से 7.75 फीसदी ब्याज दे रहा है। वहीं, एक्सिस बैंक में सामान्य निवेशकों को 3.50 से 7.10 और सीनियर सिटीजन को 3.50 से 7.85 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। जबकि केनरा बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 4 से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 4 से 7.75 फीसदी हैं। एफडी चुनते समय सिर्फ ब्याज दर ही नहीं, बल्कि निवेश अवधि, ब्याज भुगतान का तरीका, कर से जुड़ी बातें और बैंक की विश्वसनीयता को भी आपके लिए जानना बहुत जरूरी है। सीनियर सिटीजन को आम तौर पर अधिक ब्याज दर का लाभ मिलता है, जिससे उनकी बचत और भी फायदेमंद हो सकती है।

वृहद आर्थिक आंकड़े व वैश्विक रुझान तय करेंगे स्थानीय शेयर बाजार की चाल

- विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी

मुंबई, एजेंसी

इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों तथा अन्य वैश्विक रुझानों से तय होगी घरेलू शेयर बाजारों की चाल। बाजार के जानकारों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी।

एक ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार इस सप्ताह भारत और अमेरिका से कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी किए जाएंगे, जो बाजार की धारणा और केंद्रीय बैंक के परिदृश्य को प्रभावित करेंगे। भारत में सप्ताह की शुरुआत 30 जून को मई के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से होगी। इसके अलावा एक जुलाई को विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे, जिससे भारत के औद्योगिक क्षेत्र और ऑर्डर प्रवाह की स्थिति की जानकारी मिलेगी। इसके बाद तीन जुलाई को सेवा पीएमआई के आंकड़े जारी किए जाएंगे।

बाजार के एक अन्य जानकार ने कहा कि जैसे-जैसे पहली तिमाही के नतीजों का सत्र नजदीक आ रहा है, निवेशक वृद्धि के रुझानों के शुरुआती संकेतकों के रूप में कंपनियों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा आने वाले सप्ताह में अमेरिका द्वारा प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ अंतिम रूप दिए जाने वाले व्यापार समझौतों को लेकर भी उत्सुकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ बाजार भागीदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था में सुधार का आकलन करने के लिए अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़ों के साथ-साथ भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

इससे संस्थागत प्रवाह में सुधार, अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की संभावनाओं से समर्थन मिलेगा। घरेलू स्तर पर आईआईपी और पीएमआई के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। साथ ही मानसून की प्रगति और एफआईआई की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प

अक्षय जल, सुरक्षित कल

जल गंगा संवर्धन अभियान

समापन समारोह एवं वॉटरशेड सम्मेलन

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

30 जून, 2025 । दोपहर 12 बजे
मंडी प्रांगण, खण्डवा, मध्यप्रदेश

‘जल की हर बूंद में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।’

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल संरक्षण का ‘जन संकल्प’

जल संचय में वृद्धि

- ₹2048 करोड़ लागत के 83 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण, जिससे खेत का पानी खेत में सिंचित होगा
- ₹254 करोड़ लागत से 1 लाख से अधिक कूप रीचार्ज
- अमृत सरोवर 2.0 के तहत ₹ 354 करोड़ लागत से 1 हजार से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण
- शहरी क्षेत्रों में 3300 से अधिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई एवं 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण पूर्ण

जनभागीदारी

- 40 लाख लोगों की भागीदारी से 5 हजार से अधिक जल स्त्रोतों का हुआ जीर्णोद्धार
- My Bharat पोर्टल के माध्यम से 2.30 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए
- ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल का आयोजन

तकनीकी नवाचार

- GIS आधारित SIPRI सॉफ्टवेयर के उपयोग से जल स्त्रोतों का चयन एवं AI आधारित मॉनिटरिंग की गई
- नर्मदा परिक्रमा पथ एवं अन्य तीर्थ मार्गों के डिजिटलीकरण के जरिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जा सकेगा ख्याल

पर्यावरणीय एवं कृषि प्रभाव

- 57 प्रमुख नदियों में मिलने वाले 194 से अधिक नालों का चिह्नांकन एवं उनके शोधन के लिए योजना तैयार
- जैव विविधता संरक्षण हेतु घड़ियाल और कछुओं का किया गया जलावतरण
- 145 नदियों के उद्गम क्षेत्रों को चिन्हित कर हरित विकास हेतु योजना तैयार
- अविरल निर्मल नर्मदा योजना में 5600 हेक्टेयर में पौधरोपण प्रारंभ
- वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम का निर्माण
- पौधरोपण हेतु लगभग 6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित

वॉटरशेड हेतु कार्य

- ₹1200 करोड़ लागत की 91 वॉटरशेड परियोजनाएं स्वीकृत, 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा
- 9000 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं के जरिए किसानों को 1 वर्ष में दो से तीन फसलों का मिल रहा लाभ

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

#जल_गंगा_संवर्धन_अभियान_MP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025 D-11056/25